डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 282 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 28 जुलाई 2025 | मूल्य 2 रुपया

मौके पर जाते नहीं, ऑफिस में बनाते मैदानी रिपोर्ट !

मनमाने तरीके से निर्माण और फिर शुरु होता नोटिस-नोटिस का खेल..?

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। श्री राम मोहन हॉस्पिटल का एमओएस खासा चर्चाओं में रहा। यह पहला भवन नहीं है जो चर्चाओं में रहा। पांडव मार्केट जैसे शहर में कई भवन है जो चर्चाओं में रहे और नोटिस-नोटिस का खेल चला। नोटिस इसलिए कि मनमाना निर्माण किया गया तो कहीं एमओएस का पालन नहीं किया गया। लेकिन, इसमें सबसे बड़ी लापरवाही नगरपालिका के जिम्मेदारों की है। नियमानुसार मौके पर निरीक्षण कर मैदानी रिपोर्ट तैयार की जाना चाहिए। लेकिन, जिम्मेदार मौके पर ही नहीं पहुंचते। कार्यालय में बैठे-बैठे ही आवेदन प्रक्रिया को निपटा दिया जाता है।

अवैध और नियम विरुद्ध निर्माण रोकने के लिए नपा के नियम को जिम्मेदार नजरअंदाज कर रहे हैं। नपा को ऐसे आवेदन पर भौतिक सत्यापन के बाद कार्य पूर्णता प्रमाणीकरण जारी करना चाहिए। सालो से नगर पालिका निर्माण अनुमति के साथ नामांतरण के कई प्रकरणों को स्वीकृति तो दे रही है। लेकिन, जिम्मेदार जांच करना भूल जाते हैं। ऐसे प्रकरण में नपा के खजाने में छाबनीन, निर्माण अनुमति, नामांतरण के नाम पर 1 करोड़ रुपए से ज्यादा सालाना पहुंचता है। राजस्व विभाग, निर्माण शाखा और इंजीनियर तीन विभागों के बीच प्रक्रिया उलझी होने से अवैध निर्माण रोकने पर कोई ध्यान नहीं देता है।

नक्शे के साथ मैदानी रिपोर्ट भी जरुरी...

नपा नियमों के मुताबिक निर्माण अनुमति, नामांतरण को लेकर पूरी प्रक्रिया का पालन करती है। इसमें राजस्व विभाग, निर्माण शाखा और इंजीनियर की भूमिका सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होती है। राजस्व निरीक्षक, निर्माण विभाग सुपरवाइजर और इंजीनियर की जिम्मेदारी होती है कि वे ऐसे आवेदन, स्वीकृत नक्शे के साथ मैदानी रिपोर्ट भी लगाए। इसके बाद आवेदन पर गौर कर मौके पर भी निरीक्षण का नियम है। नपा आवेदन प्रक्रिया को निपटा तो देती है। लेकिन, मैदानी रिपोर्ट को लेकर गंभीरता नहीं दिखाती। जिम्मेदार खुद मानते हैं कि जो नक्शे नपा में दिए उसमें सुविधा और जरूरत के मुताबिक कई लोगों ने बदलाव किया है। इसके बाद भी कार्रवाई के नाम पर नपा ठोस कदम नहीं उठा पा रही है।

यह है एक उदाहरण...

बड़े अस्पताल रोड पर बना पांडव मार्केट बगैर अनुमति निर्माण का सबसे बड़ा उदाहरण है। वर्ष 2008 में इस भवन में बगैर अनुमति दूसरी मंजिल पर 18 और तीसरी मंजिल पर 26 दुकान बन गई। लेकिन, नपा के जिम्मेदारों ने ध्यान नहीं दिया। शिकायत पर कार्रवाई की और 2012 में 56 लाख का जुर्माना आरोपित किया।

कई स्तर पर जांच के बाद तैयार होते हैं प्रकरण...

नामांतरण और निर्माण अनुमति के प्रकरण आवेदन के बाद कई स्तर की जांच के बाद ही तैयार होते हैं। इसके बाद ही नपा निर्णय लेती है। नक्शों के मुताबिक निर्माण हुआ या नहीं इसे लेकर इंजीनियर और संबंधित विभाग की रिपोर्ट को देखा जाता है। भौतिक सत्यापन के बाद पूर्णता प्रमाणीकरण जारी नहीं करना गंभीर चूक है। इससे अवैध निर्माण को बढ़ावा मिल रहा है। इसका रिकॉर्ड तैयार करवाकर जल्द ही जांच कराना चाहिए।

यह है नियम...

नपा द्वारा आवेदन के बाद निर्माण अनुमति दी जाती है तो संबंधित इंजीनियर की जिम्मेदारी होती है कि वे नजर रखे। आवेदन के बाद एक साल के अंदर ही निर्माण को पूरा मान लेते हैं। इसके बाद नियमानुसार भवन मालिक या नपा इंजीनियर को कार्य पूर्णता प्रमाण-पत्र तैयार कराना चाहिए। न तो भवन मालिक इस ओर ध्यान देते हैं न ही नपा इंजीनियर मौके की जांच के बाद कार्य पूर्णता प्रमाण-पत्र जारी करते हैं। रिकॉर्ड के मुताबिक ही नपा नामांतरण के लिए सालाना 800 से ज्यादा और भवन निर्माण के लिए 600 से ज्यादा अनुमति जारी करती है। नियम के मुताबिक निर्माण नहीं होने पर नपा ऐसे निर्माण को तोड़ने की कार्रवाई कर सकती है।

मेडिकलों पर नहीं लगा सकेंगे डिस्काउंट बोर्ड

छूट का बोर्ड लगाने वालों पर मप्र फार्मेसी काउंसिल करेगा कार्रवाई

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश में दवाई की दुकानों पर 10 से 80 फीसदी छूट का बोर्ड लगाने वाले स्टोर्स मालिकों के खिलाफ मध्यप्रदेश फार्मेसी काउंसिल कारवाई करेगा। काउंसिल ने राज्यभर के पंजीकृत फार्मासिस्टों और मेडिकल स्टोर मालिकों को चेतावनी दी है। ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए छूट और रियायतों का प्रचार करने पर रजिस्ट्रेशन कैंसिल किया जाएगा।

काउंसिल ने नोटिस जारी कर कहा कि कई मेडिकल स्टोर बोर्ड और सोशल मीडिया के जरिए डिस्काउंट का लालच देकर उपभोक्ताओं को खींच रहे हैं, जो फॉर्मेसी प्रेक्टिस रेगुलेशन 2015 के अनुसार अनैतिक और अवैध है। ऐसी गतिविधियों में पकड़े जाने पर फार्मासिस्ट का पंजीकरण रद्द या निलंबित किया जा सकता है। साथ ही मेडिकल स्टोर पर भी कानूनी कार्रवाई होगी। स्टोर्स संचालकों को डिस्काउंट बोर्ड हटाने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है।

छोटे मेडिकल स्टोर्स को हो रहा था नुकसान...

नोटिस में कहा है कि बड़े कारोबारी आर्थिक ताकत के दम पर इस तरह के विज्ञापन कर छोटे मेडिकल दुकानदारों के साथ अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा पैदा कर रहे हैं। यह प्रतिस्पर्धा अधिनियम 2002 की धारा 4 का उल्लंघन है। काउंसिल के अध्यक्ष संजय जैन और रजिस्ट्रार भाव्या त्रिपाठी ने सभी मेडिकल स्टोर्स से कानून का पालन करने और अनैतिक प्रतिस्पर्धा से बचने की अपील की।

एमपीसीडीए ने कहा, केमिस्टों के हित में निर्णय...

एमपीसीडीए (मध्यप्रदेश केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन) ने कहा कि महाराष्ट्र, पंजाब, गोवा, मणिपुर, छत्तीसगढ़ और अब जम्मू-कश्मीर की तरह मध्यप्रदेश में भी दवा दुकानों पर डिस्काउंट बोर्ड लगाने वाले फार्मासिस्टों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश जारी किया है। यह केमिस्टों के हित में ऐतिहासिक निर्णय है।

ट्रेन से कटी महिला और मासूम की मौत

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। एक अज्ञात महिला और उसकी एक साल की मासूम बेटी का शव शिवना रेलवे ब्रिज के पास मिला है। ट्रेन से कटकर महिला और उसकी एक वर्षीय बेटी की मौत हो गई। कुछ दिनों पहले दोनों को ही मंदसौर स्थित आश्रय गृह पहुंचाया गया था। इसके बाद रात में दोनों लापता हो गए। आश्रय गृह द्वारा महिला की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। फिलहाल मृतिका के परिवार के बारे में जानकारी नहीं मिल पाई है।

कुछ दिन पहले एक महिला और एक साल की बच्ची कोर्ट रोड पर नजर आए थे। महिला खुद और बच्ची के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं बता पा रही थी। इसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गई। बाद में दोनों को आश्रय गृह पहुंचाया गया। बताया जाता है कि शनिवार को महिला और बच्ची दोनों कहीं निकल गए। इसके बाद उन्हें ढूंढने का काफी प्रयास किया गया। पुलिस को भी सूचना दी गई। लेकिन, दोनों का पता नहीं चला। इसके बाद शिवना ब्रिज के पास दोनों के शव मिले। फिलहाल पुलिस महिला के परिवार के बारे में पता करने में जुटी है।

उफान पर आई शिवना मैया

शनिवार-रविवार की दरमियानी रात छोटी पुलिया हुई जलमग्न, कई गांवों का आपसी संपर्क टूटा

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शनिवार से बारिश का दौर शुरु हुआ। बारिश का यह क्रम रविवार देर शाम तक जारी रहा। इससे नदी-नाले उफान पर हैं। शिवना नदी के कैचमेंट एरिया में भी जमकर बारिश हुई। जिससे शिवना नदी उफान पर आ गई। शनिवार देर रात पशुपतिनाथ मंदिर की छोटी पुलिया पानी में डूब गई। सुरक्षा के लिए प्रशासन ने मंदिर के आसपास बैरिकेडिंग की है। आम लोगों की आवाजाही पर रोक लगाई गई। रविवार को दिन भर शहर में बारिश होती रही, लेकिन शिवना का जल स्तर कम होता रहा। देर शाम एक बार फिर कालाभाटा डेम के गेट खोले गए। जिससे शिवना पुन: उफान पर आई।

शिवना मैया के केचमेंट एरिये में अच्छी बारिश के बाद कालाभाटा डेम के दो गेट खोल दिए गए थे। रामघाट बांध पर 14 फीट ऊपर से पानी बह रहा था। शिवना नदी का जलस्तर भी लगातार बढ रहा था। माना जा रहा था कि शिवना

का उफान भगवान शिव से मिलने की आतुरता का प्रतीक है। इस दृश्य को लोग शुभ संकेत मानते हैं। लेकिन, बाद में बारिश बंद होने से शिवना पूरे उफान पर नहीं आ सकी। इसके अलावा बिल्लौद स्थित शिवना पुलिया भी जलमग्न होने से नाहरगढ़ से बिल्लोद जाने वाला रास्ता बंद हो गया था।

अनेक गांवों का संपर्क टूटा...

बारिश के कारण जिले के कई गांवों का आपस में संपर्क टूट गया। पुलपुलिया पर पानी बहने लगा। प्रशासन ने अलर्ट जारी कर लोगो को चेतावनी दी कि पुलिया पर पानी होने पर पुलिया के पास ना जाये। इधर भानपुरा के बड़े महादेव मंदिर में शिवलिंग पर बना झरना उफान पर है। मान्यता है कि यहां 03 हजार सालों से जमीन के नीचे से पानी आता है और शिवलिंग का अभिषेक करता है। इसे अमृत तुल्य माना जाता है। हालांकि, इस वक्त झरना रौद्र रूप में है। लोग खतरे के बीच हनुमान चालीसा का पाठ करते हुए सेल्फी और रील बनाते नजर आ रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक रविवार को दिन का तापमान 25 और रात का 23 डिग्री दर्ज किया गया है। अब तक जिले में 15.028 इंच बारिश हो चुकी है। गांधी सागर बांध का जलस्तर 1290 फीट पहुंच गया है। आने वाले दिनों में और बारिश की संभावना जताई गई है।

चार दिन अति भारी बारिश की चेतावनी...

मध्यप्रदेश में मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। तेज बारिश के चलते नदी-नाले उफान पर आ गए हैं। प्रदेश में कई मार्गों पर आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई है। भारी बारिश के कारण कई जिलों में बाढ जैसे हालात बन गए हैं। रविवार को पहली बार 53 जिलों में अति भारी और भारी बारिश का रेड, ऑरेंज-यलो अलर्ट है। इंदौर-उज्जैन दोनों संभाग के सभी 15 जिलों में पहली बार एक साथ रेड और ऑरेंज अलर्ट है। इसके अलावा बाकि जिलों में तेज बारिश होगी। मौसम विभाग ने अगले चार दिन 28-29-30 और 31 जुलाई प्रदेश के कई इलाकों में अति भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार, मानसून द्रोणिका जम्मू, चंडीगढ़, बरेली, गोरखपुर, पटना, बांकुरा, कोलकाता से अवदाब के क्षेत्र से होकर बंगाल की खाड़ी तक बनी हुई है। वर्तमान में बंगाल की खाड़ी में बने अवदाब के क्षेत्र के पश्चिम बंगाल के गांगेय क्षेत्र एवं उससे लगे उत्तरी ओडिशा एवं झारखंड पर पहुंचने की संभावना है। हरियाणा पर हवा के उभरी भाग में चक्रवात बना है।

झूला महोत्सव – श्री चारभुजानाथ मंदिर बड़ा चौक जनकुपुरा में 27 जुलाई रविवार से श्रावण माह के अवसर पर झूला महोत्सव मनाया जा रहा है। इस वर्ष पहले दिन बालाराम जी चौधरी परिवार 'चम्बल रेडियो ' द्वारा आरती एवं प्रसादी वितरण किया गया।

पालकी में सवार होकर आज अपनी राजधानी में भ्रमण पर निकलेंगे पशुपतिनाथ

यातायात व्यवस्था में किया बदलाव

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। श्रावण मास के तीसरे सोमवार को भगवान पशुपतिनाथ पालकी में सवार होकर भक्तों का हाल जानने के लिये अपनी राजधानी दशपुर अर्थात मंदसौर में भ्रमण पर निकलेंगे। मंदिर से शहर भ्रमण के लिए निकलने वाली इस यात्रा को देखते हुए पुलिस ने ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किया है। 10 नंबर नाका से प्रतापगढ़ पुलिया तक और प्रतापगढ़ पुलिया से कोर्ट घाटी मार्ग तक बड़े वाहनों का प्रवेश पूरी तरह बंद रहेगा। प्रतापगढ़ से मंदसौर आने-जाने वाली बसें नयाखेड़ा मार्ग से संचालित होंगी।

बड़ी पुलिया (पशुपतिनाथ मंदिर) से किसी भी प्रकार के वाहन नहीं गुजर सकेंगे। सिर्फ दोपहिया वाहन ही छोटी पुलिया होकर खिलचीपुरा और चंद्रपुरा जा सकेंगे। अन्य चार पहिया और भारी वाहनों को मेंनपुरिया चौराहा या नालछा माता मंदिर बायपास मार्ग से डायवर्ट किया जाएगा। दर्शनार्थी अपने वाहन नई पार्किंग चंद्रपुरा और छोटी पुलिया नदी किनारे स्थित मार्ग के किनारे साइड में पार्क कर सकेंगे। थाना यातायात मंदसौर ने नागरिकों से सहयोग की अपील की है। पुलिस ने कहा है कि पालकी यात्रा के दौरान वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें और यात्रा में किसी प्रकार की बाधा न उत्पन्न करें। शहर भ्रमण के दौरान जिन मार्गों से पालकी यात्रा गुजरेगी, वे अस्थायी रूप से बंद रहेंगे और ट्रैफिक को अन्य रास्तों से डायवर्ट किया जाएगा।

पशुपतिनाथजी की शाही सवारी: 29 वर्षों का सफर

28 साल पहले ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर निकले थे बाबा

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। आगामी 04 अगस्त श्रावण माह के अंतिम सोमवार को भगवान पशुपतिनाथ शाही रथ पर सवार होकर 29 वीं बार शाही सवारी के रूप में नगर भ्रमण पर निकलेंगे। साल दर साल सवारी खास होती जा रही है। लेकिन, वर्ष 1996 में सावन माह के अंतिम सोमवार को पहली बार बाबा पशुपतिनाथ की शाही सवारी शहर में निकली थी। तब ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर सीमित संसाधनों के साथ सवारी निकली थी। जो 28 सालों के इस सफर में अब भव्य रुप ले चुकी है।

उज्जैन में बाबा महाकाल की निकलने वाली सवारी को देख मंदसौर में इसकी शुरुआत हुई थी, जो अब परंपरा बन चुकी है। पहली सवारी के समय दानदाताओं ने चांदी दान की थी। उससे पशुपतिनाथजी की रजत प्रतिमा बनवाई थी। वहीं पहली सवारी में जहां मात्र 8 से 10 हजार भक्त शामिल हुए थे, वहीं अब सवारी में डेढ लाख से अधिक भक्तों का हुजूम दिखता है।

जब पहली बार प्रात: कालीन आरती मंडल के सदस्यों ने दिलीप शर्मा को अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव रखा था। आज फिर दिलीप शर्मा ही मंडल के अध्यक्ष है और यह परंपरा चली आ रही है। उस समय में कलेक्टर केसरीसिंह चौहान ने कहा था कि आप लोगों ने जो परंपरा शुरु की है, इसका भविष्य में व्यापक स्तर क्या होगा। इसकी कल्पना नहीं की जा सकती और उनके शब्दों के अनुरुप आज सवारी का स्तर व्यापक हो गया है। तहसीलदार जयंत जोशी व एसडीएम कालु सिंह थे। जब सवारी की बात आई तो किसी ने कहा, ऐसे ही घुम लो। पंडित रामनारायण शर्मा सहित अन्य ने उस समय अहम भूमिका निभाई और सवारी निकली तो सारें किंतु-परंतु पर विराम लग गया। सवारी में भक्तों का उत्साह और उड़ते-रंग गुलाल ने उस समय के युवाओं की इस पहल को आज परंपरा बना दिया।

शिवभक्तों की संख्या और उत्साह से दंग रह गए थे आयोजक...

वर्ष 1996 में पहली सवारी निकलने के बाद यहां भक्तों का जुड़ाव और बढ गया। दरअसल प्रात: कालीन आरती मंडल द्वारा मंदिर में वर्षों से छप्पन भोग से लेकर अन्य आयोजन किए जा रहे है। वर्ष 1996 में जब सावन के अंतिम सोमवार को शाही सवारी निकली तो उमडे शिवभक्तों की संख्या और उत्साह को देख आयोजक भी दंग रह गए। इस बार 04 अगस्त को भगवान की 29वीं सवारी निकलेगी। पहली बार जब सवारी निकली तो 04 किलो चांदी एकत्रित कर रजत प्रतिमा बनवाई गई और ट्रैक्टर पर झांकी सजाते हुए सवारी निकाली गई थी।

सीमित रुप से निकली थी पहली सवारी...

प्रात:कालीन आरती मंडल अध्यक्ष दिलीप शर्मा ने बताया कि शाही सवारी निकलने से पहले से ही वर्षों से छप्पन भोग बाबा पशुपतिनाथ को लगाते आ रहे हैं। पहली शाही सवारी सीमित रूप से ट्रैक्टर-ट्रॉली में निकाली थी। पहली सवारी के समय भी वह अध्यक्ष थे। आज एक लाख से अधिक भक्त आते हैं।

आमंत्रण के लिए वाहन रैली...

शाही सवारी निकलने के साथ वर्ष 1996 में ही सवारी में भक्तों को आमंत्रण देने के लिए वाहन रैली भी पूर्व संध्या पर निकाली गई थी। जो मंदसौर के इतिहास की पहली वाहन रैली थी। अब तो मंदिर पर और भी कई आयोजन होते हैं। जब तत्कालीन नपाध्यक्ष प्रहलाद बंधवार जुड़े तो शाही सवारी को व्यापक रुप दिया गया था।

समय के साथ होता रहा परिवर्तन...

शुरुआत में सवारी निकाली तो संसाधन भी सीमित थे। ढोल और लेजिम के अलावा ट्रॉली में सवारी निकाली। चार-पांच सालों से सीमित संसाधन से सवारी निकली। फिर बदलाव का दौर शुरु हुआ और अब पिछले सात-आठ सालों से झांकियों के साथ बाहर के कलाकारों की प्रस्तुतियों के अलावा इसका स्वरुप भी व्यापक हो गया। अत्याधुनिक संसाधनों के साथ यहां भक्तों की संख्या भी बढ़ी है। अब मनमोहक प्रस्तुतियों के बीच झांकियों का कारवां व रथ में शाही अंदाज में विराजे भगवान की झलक पाने को भक्तों का सैलाब भी यहां दिखता है।

डोडाचूरा तस्करी मामले में खुलासा अधूरा

कहां सप्लाय किया जाना था यह अब भी रहस्य, डोडाचूरा देने वाला आरोपी फरार

पिपलियामंडी, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। डोडाचूरा तस्करी में गिरफ्तार किए गए नीमच पुलिस विभाग के आरक्षक राजेन्द्रसिंह सौंधिया से पूछताछ जारी है, लेकिन अब तक पुलिस यह स्पष्ट नहीं कर पाई है कि यह मादक पदार्थ कहां सप्लाय किया जाना था। पुलिस की जांच में सामने आया है कि आरक्षक और उसका सहयोगी लंबे समय से इस अवैध धंधे में संलिप्त थे, हालांकि उनके खिलाफ पूर्व में एनडीपीएस एक्ट के तहत कोई आपराधिक रिकॉर्ड दर्ज नहीं था। शनिवार-रविवार की रात करीब 2 बजे नारायणगढ थानान्तर्गत बूढा चौकी पुलिस ने बूढा-मुन्जाखेड़ी मार्ग पर एक कार से 30 किलो डोडाचूरा की तस्करी करते हुए दो आरोपियों को रंगेहाथ पकड़ा था। आरोपी आरक्षक राजेन्द्रसिंह सौंधिया भांगी पिपलिया का निवासी है, वहीं उसका साथी भगतसिंह सौंधिया चोथखेड़ी का रहने वाला है। दोनों को एनडीपीएस एक्ट के तहत रविवार को कोर्ट में पेश किया गया था, जहां से उन्हें दो दिन की पुलिस रिमाण्ड पर सौंपा गया। बूढा चौकी प्रभारी शुभम व्यास के अनुसार, पूछताछ में यह खुलासा हुआ है कि डोडाचूरा ढाबला निवासी कमल बागरी से खरीदा गया था। कमल बागरी को भी पुलिस ने प्रकरण में सह-अभियुक्त बनाया है और उसकी तलाश जारी है। हालांकि पुलिस यह बताने से फिलहाल बच रही है कि इतनी मात्रा में नशे का सामान किस क्षेत्र में सप्लाय होना था। हालांकि दोनों आरोपियों के खिलाफ पहले कोई पहले एनडीपीएस एक्ट में कोई केस दर्ज नहीं हुआ है, लेकिन प्रारंभिक जांच में यह जानकारी ...शेष पेज 4 पर

विचार-मंथन

मेलबर्न में फिर निशाने पर भारतीय...

यह विचित्र विडंबना है कि जिस दौर में विश्व भर में किसी समाज के विकास को आधुनिकता के आईने में देखने की अपेक्षा की जाती है, उसमें कई बार कुछ घटनाएं इस कसौटी पर बहुस्तरीय नाकामी को रेखांकित करती हैं। ऐसी सामाजिक प्रवृत्तियों का सिरा ढूंढना मुश्किल हो जाता है, जिसमें एक ओर कोई समाज सभ्यता के मानदंडों पर अन्य के मुकाबले अपने श्रेष्ठ होने का दंभ भरे, लेकिन वहीं कुछ लोगों का व्यवहार ऐसा भी हो जो उनके दुराग्रहों और कुंठाओं से भरे होने का सूचक हो। गौरतलब है कि आस्ट्रेलिया के मेलबर्न में एक हिंदू मंदिर और दो एशियाई रेस्तरां की दीवारों को नस्लवादी भित्तिचित्रों से विकृत कर दिया गया और नस्ली नफरत फैलाने वाली बातें लिखी गईं। खबर के मुताबिक, स्थानीय पुलिस ने इस घटना की पुष्टि जरूर की और कहा कि हमारे समाज में घृणा आधारित और नस्लवादी व्यवहार के लिए बिल्कुल जगह नहीं है। यानी जिन लोगों ने नस्ली नफरत फैलाने की कोशिश की, उन्हें स्थानीय स्तर पर कोई व्यापक समर्थन नहीं है। इसके बावजूद अक्सर ऐसी घटनाएं होते रहने की खबरें बताती हैं कि वहां ऐसे तत्व भी हैं, जो आस्ट्रेलिया की सामाजिक विकास नीतियों में मौजूद कमियों के सूचक हैं। भारतीय और एशियाई पहचान के लोगों को लक्ष्य बना कर मेलबर्न में इस तरह नस्लीय दुराग्रहों का प्रदर्शन कोई अकेली घटना नहीं है। पिछले कुछ वर्षों से आस्ट्रेलिया में ही इसी प्रकृति की कई घटनाएं सामने आईं। इसके अलावा, कनाडा, ब्रिटेन, अमेरिका, न्यूजीलैंड और अन्य कुछ देशों में भी भारतीय पहचान के लोगों पर नस्ली हमले हुए, घृणा से भरी टिप्पणियां की गईं और प्रत्यक्ष रूप से अपमानित करने की कोशिश की गई। ऐसे अनेक वाकये हैं, जिनमें किसी व्यक्ति ने बिना

किसी कारण के सिर्फ भारतीय पहचान के आधार पर जानलेवा हमला किया। सवाल है कि ऐसी आक्रामकता का स्रोत क्या है? आखिर क्या वजह है कि हाल के वर्षों में अलग-अलग देशों में भारतीयों के प्रति इस तरह के हमलों में इजाफा हुआ है? जिस दौर में भारत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अहम मुद्दों के मामले में अपना मजबूत दखल देता दिख रहा है, उसमें भारतीय लोगों और उनकी आस्था को चोट पहुंचाने की घटनाओं पर बात सिर्फ चिंता जाहिर करने तक क्यों सिमट कर रह जाती है? क्या इसे कूटनीतिक मोर्चे पर एक नाकामी के तौर पर देखा जाएगा कि संबंधित देशों की सरकारें अपने यहां भारतीयों के प्रति नस्लवादी नफरत फैलाने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं करतीं और इसीलिए ऐसी घटनाएं होती रहती हैं? यह समझना मुश्किल है कि जिन देशों को वैश्विक स्तर पर विकसित देशों की श्रेणी में माना जाता है, वहां इस तरह की स्थिति क्यों बनी हुई है, जिसमें कुछ लोग नस्लवादी पूर्वाग्रहों से भरे हुए हैं और किसी अन्य पहचान वाले लोगों या समुदायों को कमतर मान कर उनके साथ अमानवीय तरीके से पेश आते हैं। सवाल है कि प्रतिगामी धारणाओं या मनोग्रंथियों से भरा हुआ कोई व्यक्ति या समाज सभ्य और आधुनिक होने की कसौटी पर खुद को किसी से श्रेष्ठ कैसे मान सकता है? दरअसल, नस्लवादी दुराग्रहों से भरे हुए कुछ लोग इस पहलू पर विचार करने की भी कोशिश नहीं करते और उनकी हरकतों से उपजे सवालों का जवाब दूसरे लोगों को देना पड़ता है। नस्लीय कुंठाओं में डूबे रहने के नतीजे में किसी व्यक्ति या समूह के भीतर जिस तरह की आक्रामकता और हिंसा का विस्तार होता है, उसका खमियाजा एक साथ कई पक्षों को भुगतना पड़ता है।

समीकरणों को बदलने में माहिर हैं मोदी...

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मालदीव के 60वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और अपने इस पड़ोसी देश को आगे बढ़ते रहने तथा खुशहाल रहने के लिए भारत की ओर से शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मालदीव दौरे के दौरान जिस गर्मजोशी से मालदीव की जनता और सरकार ने उनका स्वागत किया, उसने अंतरराष्ट्रीय राजनीति को कई संदेश दिये हैं। मालदीव की सड़कों पर लगे 'मोदी-मोदी' के नारे और नागरिकों का उत्साह यह दर्शाता है कि भारत और मालदीव के रिश्ते नए विश्वास और मजबूती के दौर में प्रवेश कर चुके हैं। राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के शुरुआती दिनों में उनके चीन की ओर झुकाव को लेकर आशंकाएं थीं। लेकिन मोदी के स्वागत ने यह संकेत दिया कि मालदीव की जनता भारत को एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में देखती है। यह चीन के लिए स्पष्ट संदेश है कि मालदीव में भारत की जमीनी पकड़ और लोकप्रियता मजबूत है। जो लोग मालदीव में इंडिया आउट अभियान चला रहे थे उन्हें राजधानी माले की सड़क का यह दृश्य जरूर देखना चाहिए जहां जनता खुद से नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारे लगा रही है। हम आपको बता दें कि चीन हिंद महासागर में अपने बंदरगाहों और निवेशों के माध्यम से प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। मालदीव इस रणनीति में एक अहम मोती है। लेकिन मालदीव में भारत के प्रति बढ़ती सकारात्मकता चीन की इस नीति के लिए बाधा बन सकती है। 'मोदी-मोदी' के नारे यह संकेत है कि मालदीव भारत को अधिक प्राथमिकता देने के लिए तैयार है। साथ ही मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू ने स्पष्ट किया है कि उनकी सरकार किसी भी विदेशी शक्ति को देश के मामलों पर नियंत्रण नहीं करने देगी। भारत के साथ बढ़ता सहयोग यह दिखाता है कि मालदीव चीन पर अत्यधिक निर्भरता से बचते हुए, संतुलित कूटनीति अपनाना चाहता है। यह संकेत चीन के लिए चिंता का विषय हो सकता है। हम आपको बता दें कि मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू ने 60वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर चीन को अप्रत्यक्ष रूप से संदेश दिया है कि उनकी सरकार किसी भी विदेशी शक्ति को मालदीव पर नियंत्रण नहीं करने देगी। राष्ट्रपति मुइज्जू ने वरिष्ठ सैन्य और पुलिस अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में कहा कि मालदीव को हमेशा अपने नागरिकों की सुरक्षा और अपने मामलों के प्रबंधन के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि विशाल समुद्री क्षेत्र वाले इस देश के लिए सुरक्षा बलों की क्षमता बढ़ाना आवश्यक है ताकि वह अपने मामलों को स्वयं संभाल सकें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मालदीव द्विपक्षीय साझेदारों से तकनीकी और अन्य सहयोग लेने के लिए खुला है, लेकिन किसी अन्य देश को आकर मालदीव के मामलों पर नियंत्रण करने देना उनकी सरकार की नीति के विरुद्ध है। यही कारण है कि प्रशासन सेना और पुलिस की भूमिका बढ़ाने पर जोर दे रहा है।

मालदीव में मोदी के स्वागत का यह उत्साह बताता है कि भारत न केवल आर्थिक और रक्षा सहयोग से बल्कि जनता-से-जनता के रिश्तों से भी मालदीव में मजबूत स्थिति में है। यह चीन को संदेश देता है कि भारत की इस क्षेत्र में गहरी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक जड़ें हैं, जिन्हें बाहरी प्रभाव से कमजोर करना मुश्किल है। मोदी के मालदीव दौरे और 'मोदी-मोदी' नारों ने चीन को यह स्पष्ट संदेश दिया है कि हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की भूमिका अपरिहार्य है। मालदीव भारत के साथ अपने रिश्तों को प्राथमिकता देकर यह दिखा रहा है कि वह चीन के अत्यधिक प्रभाव से दूरी बनाना चाहता है। मालदीव के राष्ट्रपति ने जिस तरह प्रधानमंत्री मोदी को भारतीय राजनीति में रिकॉर्ड बनाने पर बधाई दी वह दृश्य भी देखने लायक था। जहां तक भारत और मालदीव के बीच हुए करारों की बात है तो आपको बता दें कि राष्ट्रपति मुइज्जू और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों देशों ने आठ महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इनमें भारत-मालदीव मुक्त व्यापार समझौते की शर्तें, भारत की एक्जिम बैंक से 565 मिलियन अमेरिकी डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट, मछली पालन और एक्वाकल्चर के क्षेत्र में सहयोग, डिजिटल परिवर्तन के लिए भारत के सफल डिजिटल समाधानों को साझा करने, भारतीय फार्माकोपिया की मान्यता और मालदीव में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस सेवाओं के कार्यान्वयन से जुड़े समझौते शामिल हैं। कुल मिलाकर देखें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा ने भारत-मालदीव संबंधों को एक नई ऊंचाई दी है। इस यात्रा का महत्व केवल द्विपक्षीय सहयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हिंद महासागर क्षेत्र में रणनीतिक समीकरणों को भी प्रभावित करती है। जहां तक मोदी की यात्रा से चीन पर रणनीतिक प्रभाव पड़ने की बात है तो आपको बता दें कि मालदीव, हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बीआरआई का अहम हिस्सा रहा है। बीते कुछ वर्षों में चीन ने मालदीव में भारी निवेश कर अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश की थी। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा यह संदेश देती है कि भारत मालदीव को अपनी रणनीतिक परिधि का हिस्सा मानता है और चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने के लिए सक्रिय है। भारत द्वारा घोषित नई परियोजनाएं और सुरक्षा सहयोग मालदीव को यह विकल्प देते हैं कि वह चीन पर अत्यधिक निर्भर न रहे। हम आपको यह भी बता दें कि मालदीव के राष्ट्रपति के एक करीबी रिश्तेदार की ओर से प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ विवादित टिप्पणी की बात जैसे ही सामने आई वैसे ही भारत ने इसे गंभीरता से लिया और कड़ा कूटनीतिक विरोध दर्ज कराया। यह प्रतिक्रिया इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह संदेश देता है कि भारत अपने नेतृत्व के सम्मान से जुड़े मुद्दों पर समझौता नहीं करेगा। यह मालदीव सरकार को भी सतर्क करता है कि वह आंतरिक राजनीतिक बयानों को नियंत्रित करे।

अमीरी की क्या है असली परिभाषा?

मुकेश पोपली

हम मनुष्यों के पास अगर तीन वस्तुएं हैं, तब यह मानकर चलते हैं कि हम अमीर हैं। ये तीन वस्तुएं हैं, तन, मन और धन। हमारे गुरुजनों और ज्ञानियों ने अपने वचनों में हमेशा इस ओर इशारा किया है कि तन तो चौरासी लाख योनियों की यात्रा है और अगर हम मनुष्य के रूप में पृथ्वी पर हैं तो यह हमारे लिए गर्व की बात है। इस तन पर गर्व तो करना चाहिए, लेकिन इसके मोह में पड़ना ठीक नहीं। इसी प्रकार, वे यह भी फरमाते हैं कि मन चंचल है और एक अबोध शिशु के समान है। मन को काबू में रखना मुश्किल अवश्य है, लेकिन असंभव नहीं। यों भी, वह मन ही क्या, जिस पर उसके स्वामी का नियंत्रण न हो। हम मन पर काबू न होने की मजबूरी को बहाने के तौर पर इस्तेमाल तो करते हैं, लेकिन हम खूब जानते हैं कि हमारा मन हमारे भीतर के किन स्रोतों से चल रहा होता है। हम क्या करें, क्या न करें, यह अपने विवेक से तय कर सकते हैं। अब अगर हम मन पर नियंत्रण न होने का हवाला देते हैं, तो कायदे से यह एक बहाना होता है अपनी ग्रंथियों से छुटकारा हासिल न करने या कर पाने के लिए। अब रहा धन, तो कबीर ने साफ-साफ कहा है कि, 'साईं इतना दीजिए, जा मे कुटुम समाय। मैं भी भूखा न रहूं, साधु न भूखा जाए।' पैसे, जमीन-जायदाद जैसी भौतिक वस्तुओं का घमंड रखने वालों का बुरा हाल होता ही है। हमारे ऋषिजनों ने यही बताया है। यह तो सही है कि हम मनुष्य नाम के जीव अत्यंत भाग्यशाली हैं, क्योंकि हमारे पास अन्य जीवों की अपेक्षा शरीर के एक हिस्से में दिमाग भी होता है। इस दिमाग के भरोसे हम अपने रहन-सहन, पढ़ाई-लिखाई को बेहतर बनाते हुए सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक, राजनीतिक आदि क्षेत्रों में स्वयं को एक सक्षम व्यक्ति के रूप में स्थापित कर सकते हैं। प्राचीन काल में ढलती उम्र वाले बुजुर्ग लोग अपने आपको सेवा कार्यों में झोंक देते थे। इनमें से कुछ भक्ति मार्ग पर चल पड़ते थे तो कुछ मोह-माया से दूर एकांतवास में भी रहने चले जाते थे। इस तरह के सभी लोग तन से कमजोर हों, ऐसा नहीं है। मगर यह एक समांतर सच है कि कद-काठी से मजबूत लोग भी तन को स्वस्थ रखने के लिए अपने आहार का पूरा ध्यान रखते थे। आधुनिक युवा वर्ग व्यायाम करने के लिए जिम जाने की बात बड़े घमंड के साथ बताता है, जबकि घर या कहीं भी दूसरे श्रम से वह जी चुराता है। तन को गतिमान बनाए रखने के लिए स्वस्थ पर्यावरण और शारीरिक मेहनत अति आवश्यक है। इसके साथ ही शुद्धता से परिपूर्ण भोजन भी। मन पर नियंत्रण करने का मतलब यह नहीं होता कि खुद अपनी सारी इच्छाओं के लिए सभ्य होना और उसे दबा देना आवश्यक है। सभ्य वही होगा जो अपने साथ-साथ अपने परिवार, समाज और देश के हितों के लिए निस्वार्थ भाव से कार्य करेगा। यह भी सुनिश्चित करना होगा कि हम बिना किसी प्रतिफल की चाह में अपना जीवन कैसे व्यतीत करें। दरअसल, सभ्य व्यक्ति का सबसे महत्त्वपूर्ण लक्षण है उसका परोपकारी होना। वर्तमान में प्रत्येक मनुष्य खुद को परोपकारी बताता है, लेकिन वास्तव में इस पृथ्वी पर बहुत कम लोग ही यह भावना रखते हैं। अक्सर लोग देखा-देखी पर आ जाते हैं और प्रसिद्धि की चाह में समाज को दिग्भ्रमित करते हैं। मन को नियंत्रित करने के लिए संकल्पों के साथ जीना चाहिए। अपने सामर्थ्य के अनुसार अपने मन को सही दिशा प्रदान करने के लिए अनुभवी व्यक्तियों से संपर्क और संवाद करना चाहिए। बस केवल स्वविवेक से काम लिया जाए, तो यह समझना आसान हो जाता है कि अगर कोई व्यक्ति सत्ता के ढांचे में महत्त्वपूर्ण पद पर बैठे व्यक्ति को सिर्फ खुश करने के लिए उससे प्रभावित दिखता हो, तो वह अपने आसपास के लिए एक जोखिम की तरह रहेगा। धन संचय करना आवश्यक है, लेकिन साथ ही इसे प्राप्त करने के लिए गलत मार्ग पर चलने से बचना भी आवश्यक है। समाज में ऐसे भी अनेक धनाढ्य हैं जो समाज के उत्थान के लिए अस्पताल, विद्यालय और अनेक उपयोगी स्थलों का निर्माण कराते हैं। ऐसे लोग गरीबों को उनकी आवश्यकतानुसार भोजन, दवाइयां और अन्य सामग्री उपलब्ध कराते हैं। धन लोलुपता धोखाधड़ी को जन्म देती है और हम तरह-तरह के अपराधों में अनचाहे भी लिप्त होते चले जाते हैं। परिणामस्वरूप, एक दिन भेद खुल जाने के बाद वह धन हमारे लिए अभिशाप बन जाता है। वर्तमान में हम मानवता से दूर होते जा रहे हैं और पाखंडी आचरण में अपने आपको जकड़ते जा रहे हैं। हमारे पास चाहे जितना भी धन हो, अगर उसका सही उपयोग नहीं हो रहा है तो वह हमारे लिए बालू-मिट्टी के समान है, जिसे एक दिन हाथ से फिसल जाना है।दरअसल, तन-मन-धन तीनों ही हमारे लिए उपयोगी हैं, लेकिन इन सबका समर्पण भाव से उपयोग हो तो श्रेष्ठ है, वरना 'मैं' में जीना एक दिन हमें सभ्य समाज से कोसों दूर कर देता है। दुर्भाग्य से हमारे समाज में 'मैं' की बीमारी से करोड़ों लोग ग्रसित हैं। हमारी 'मैं' की भावना हमें ही आहत करती है।

कारगिल युद्ध के नायकों के शौर्य और वीरता को नमन

1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद पहली बार कारगिल युद्ध हुआ था, जब दोनों देश सीधे तौर पर सैन्य संघर्ष में शामिल हुए थे। कारगिल युद्ध भारतीय सीमा क्षेत्र में पाकिस्तानी सैनिकों और कश्मीरी आतंकवादियों की घुसपैठ का ही परिणाम था। 26 जुलाई को देश कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ मनाएगा। भारतीय सेना ने 26 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध में पाकिस्तानी फौज को बुरी तरह धूल चटाई थी। भारत-पाकिस्तान के बीच जम्मू कश्मीर के कारगिल जिले में हुआ वह युद्ध 60 दिनों तक चला था और पाकिस्तान फौज की करारी शिकस्त के बाद 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ था। पाकिस्तान पर भारत की इस जीत को याद करते हुए 26 जुलाई को 'कारगिल विजय दिवस' के रूप में मनाया जाता है। पाकिस्तानी सैनिकों और भाड़े के आतंकवादियों को मारकर या खदेड़कर कारगिल की चोटियों पर कब्जा करने के लिए चलाए गए 'ऑपरेशन विजय' के तहत तमाम बाधाओं को पार करते हुए हमारे वीर जांबाजों ने उन्हें कारगिल से खदेड़कर दुर्गम चोटियों पर जीत का परचम लहराया था लेकिन देश को इसकी बहुत भारी कीमत भी चुकानी पड़ी थी। दरअसल उस युद्ध में भारत को विजय दिलाने में भारतीय सेना के सैकड़ों जवान शहीद हुए थे। कारगिल युद्ध में न केवल भारतीय सेना के 527 सैनिक शहीद हुए थे बल्कि दो महीने तक चले उस युद्ध के दौरान 453 आम नागरिक भी मारे गए थे। इसीलिए भारतीय सेना की उस विजय के बाद सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 26 जुलाई को भारतीय सेना के शौर्य दिवस के रूप में कारगिल विजय दिवस मनाए जाने का फैसला लिया गया। सही मायनों में कारगिल विजय दिवस भारतीय सैनिकों के साहस और बलिदान को स्मरण करने तथा उनके बलिदान को सम्मान देने का दिन है और 26 जुलाई का दिन विशेष रूप से देश के इन्हीं वीर सपूतों को समर्पित है। देश के जन-जन तक कारगिल युद्ध के इन्हीं नायकों के शौर्य और पराक्रम की गाथा पहुंचाने के लिए ही यह दिवस मनाया जाता है। 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद पहली बार कारगिल युद्ध हुआ था, जब दोनों देश सीधे तौर पर सैन्य संघर्ष में शामिल हुए थे। कारगिल युद्ध भारतीय सीमा क्षेत्र में पाकिस्तानी सैनिकों और कश्मीरी आतंकवादियों की घुसपैठ का ही परिणाम था। उस भीषण युद्ध में वायु शक्ति, तोपखाने और पैदल सेना के संचालन का व्यापक उपयोग किया गया था। युद्ध की खास बात यह थी कि वह युद्ध काफी ऊंचाई पर लड़ा गया था, जिसमें कुछ सैन्य चौकियां तो 18 हजार फुट से भी ज्यादा ऊंचाई पर स्थित थीं। ऐसे में भारतीय सैनिकों के लिए वह लड़ाई बेहद चुनौतीपूर्ण थी लेकिन हमारे जांबाजों ने देश की आन-बान और शान के लिए अपने प्राणों की आहूति देकर न केवल पाकिस्तान को उसकी असली औकात दिखाई बल्कि 700 से भी ज्यादा पाकिस्तानी सैनिकों को मौत के घाट भी उतारा। दुश्मन को रणनीतिक स्थानों से हटाने के लिए महत्वपूर्ण हवाई हमले करते हुए भारतीय वायुसेना ने उस युद्ध के दौरान बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भारतीय सेना ने युद्ध के दौरान टोलोलिंग, टाइगर हिल, प्वाइंट 4875 सहित अन्य रणनीतिक चोटियों पर फिर से कब्जा कर लिया था। कारगिल युद्ध की शुरुआत 26 मई 1999 को भारतीय सेना के हवाई हमले के साथ हुई थी। दरअसल भारतीय सेना को 3 मई 1999 को कारगिल में स्थानीय चरवाहों द्वारा पाकिस्तानी सैनिकों और आतंकवादियों के बारे में सतर्क किया गया था और उसके दो ही दिन बाद 5 मई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय सेना के कम से कम 5 जवानों को मार डाला था।

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

स्वच्छता पवित्र कार्य है, स्वच्छता के प्रति जागरूक रहे- सांसद गुर्जर

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। स्वच्छता के कार्य को महात्मा गांधी ने सबसे पवित्र कार्य कहा है उनका मानना था कि स्वच्छता का कार्य करने वाले ईश्वर के सबसे निकट है। हम सबका धर्म है कि हम अपने आसपास स्वच्छता बनाये रखे और दूसरों को भी इसके लिये प्रेरित करे।

उक्त विचार राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर ने लॉ कॉलेज में आयोजित सफाई मित्रों (कर्मचारियों) के स्वागत समारोह में आयोजित कार्यक्रम में कहे। आपने भाजपा उत्तर मण्डल के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में वार्ड नं. 1 से 20 तक के वार्डों में र्कार्यरत सफाई मित्रों (कर्मचारियों) को संबोधित करते हुए कहा कि सफाई कर्मचारी बहुत परिश्रम करते है उसी के परिणाम स्वरूप भारत में स्वच्छता के प्रति सकारात्मक सोच आई है। प्रधानमंत्री मोदी ने 11 वर्ष पूर्व स्वच्छता ही सेवा अभियान प्रारंभ किया था और स्वच्छता का कार्य करने के लिये अपने हाथों में झाडू थामी थी तब से लेकर अब तक स्वच्छता के प्रति नई जागृति समाज में आई है। आपने प्रकृति के संरक्षण के लिये पौधरोपण करने का भी आव्हान किया। आपने कहा कि यदि कोई व्यक्ति बार बार बंदगी करता है तो उसे समझाईश दे तथा स्वच्छता के प्रति जागरूकता बड़ाने में अपना सागदान सभी लोग देवे। भाजपा जिलाध्यक्ष पं. राजेश दीक्षित ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदीजी के विजन के अनुरूप हमारा देश विकसित भारत की ओर अग्रसर हो रहा है। तथा ग्रीन इंडिया क्लीन इंडिया की सोच को लेकर हम आत्मनिर्भर भारत का स्वप्न साकार करने जा रहे है। कार्यक्रम में नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर, भाजपा जिला कोषाध्यक्ष राजू चावला, भाजपा उत्तर मण्डल अध्यक्ष अरविन्द सारस्वत, नपा सभापतिगण दीपमाला रामेश्वर मकवाना, निलेश जैन, भानपुरा के पूर्व मण्डल अध्यक्ष अभिषेक मांदलिया भी मंचासीन थे। संचालन मण्डल अध्यक्ष अरविन्द सारस्वत ने किया। आभार नपा सभापति दीपमाला मकवाना ने माना। कार्यक्रम में सभी ने सफाई मित्रों का पुष्पहार पहनाकर स्वागत भी किया। इस दौरान सभी के द्वारा पौधारापेण भी किया गया।

मन की बात कार्यक्रम को देखा और श्रवण किया– राज्यसभा सांसद श्री गुर्जर, भाजपा जिलाध्यक्ष पं. दीक्षित, नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर सहित सभी अतिथिगणों ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी की मन की बात कार्यक्रम को देखा और उसे श्रवण किया। मन की बात कार्यक्रम में पधारने पर भाजपा मण्ड्ल अध्यक्ष अरविन्द सारस्वत ने दुपट्टा ओढाकर सभी अतिथियां का स्वागत किया।

नवांकुर संस्था जन जागरण विकास समिती ने किया आयोजन

सुवासरा, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद के जिला समन्वयक तृप्ती वैरागी के मार्गदर्शन एवं विकासखंड समन्वयक नारायणसिंह निनामा की विशेष उपस्थिती मे नवांकुर सखी हरियाली यात्रा का आयोजन गुराड़िया प्रताप मे किया गया। जिसमे एक पौधा मॉ के नाम लगाया गया।कार्यक्रम मे अभियान चलाकर महिलाओ का पंजीकरण कर परिचय पत्र वितरित किए गये।साथ ही महिलाओं द्वारा कलश लेकर यात्रा निकाली गई। इस अवसर पर तरावली बॉलाजी (प्रतापपुरा) पहुंचकर बालाजी हनुमान मंदिर आरती करके कार्यक्रम मे सम्मिलित हुई।कार्यक्रम में श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार जिला पंचायत अध्यक्ष, मण्डल अध्यक्ष जुझारसिह ,जनपद

सदस्य प्रकाश सोलंकी ,मांगीलाल बामनिया,ब्लाक समन्वयक नारायणसिंह निनामा,नवांकुर दिलीप भटनागर , प्रस्फुटन अध्यक्ष गजेंद्र पाटीदार, केलास गुर्जर ,सत्यनारायण प्रजापत, सरपंच प्रतापपुरा जितेंद्र पाटीदार, जनपद सदस्य सरदार सिह हंसपुरा उपस्थिती थे। कार्यक्रम मे नारायणसिंह निनामा ने अभियान के बारे मे विचार व्यक्त किए। जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा जी पाटीदार ने कहा परिषद शासन और जनता के बीच सेतु का कार्य कर रही है। नवांकुर सखी को अभियान से जोड़ने पर अधिक गति से पर्यावरण का कार्य होगा।कार्यक्रम मे महिलाओ को पोधे वितरण कर उनका रखरखाव की जिम्मेदारी दी गई। कार्यक्रम में संचालन गजेंद्र पाटीदार ने किया आभार दिलीप भटनागर ने माना।

पूर्व पार्षद गुर्जर ने जगतपति आयोग की रिपोर्ट पर वर्ष 2003 में मेघदूत नगर में आवंटित 92 प्लाट कराए थे मुक्त...

अब मंदसौर नगर पालिका करेगी नीलाम

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर में नगर सुधार न्यास द्वारा वर्ष 1990 से 1992 की अवधि में मेघदूत नगर मंदसौर के आवंटित 92, भूमि /भूखंड आवंटन में त्रुटि व नियमों के विपरीत आवंटन किए जाने पर मध्य प्रदेश शासन द्वारा एक जांच समिति बनाई गई थी जगतपति जांच समिति के नाम से बनाई गई थी जिसकी जांच रिपोर्ट के आधार पर सभी आवंटित 92, भूमि /भूखंड को निरस्त करने के संबंध में शासन को रिपोर्ट सौपी गई थी जिस पर कार्रवाही करने के लिए पूर्व पार्षद विजय गुर्जर ने दिनांक 5.4.2018 को नगरी प्रशासन एवं विकास मंत्री को पत्र लिखकर इस संबंध में करवाही करने की मांग करी थी जिसके बाद लगातार

प्रयास करने के परिणाम स्वरूप नगरी प्रशासन एवं विकास मंत्रालय भोपाल द्वारा कार्रवाही करते हुए दिनांक 1 मई 2003 को आवंटित भूमि/भूखंड को निरस्त करने के अंतिम आदेश जारी किए थे यह जानकारी पूर्व पार्षद विजय गुर्जर ने दी है।

उन्होंने बताया कि उपसचिव मध्य प्रदेश शासन नगरी एवं आवास विभाग मंत्रालय भोपाल का पत्र क्रमांक 22530 / 3231/ 2019 / 18- 2 भोपाल दिनांक 25- 07 - 2019 के साथ सलग्न श्री विजय गुर्जर पार्षद का सलग्न पत्र के पालन में नगर पालिका द्वारा कार्रवाही करते हुए बताया था कि 1990 से 1992 की अवधि में अपने अधिकार क्षेत्र के बाहर भूमि आवंटनो को अनियमितताओं की जांच करने हेतु गठित जगतपति जांच समिति द्वारा जांच कर शासन को आवंटित 92 संस्थाओं / व्यक्तियों के भूमि आवंटन में अनियमितता पाई गई थी जिस पर जांच रिपोर्ट शासन को प्राप्त होने पर मध्यप्रदेश शासन के नगरी प्रशासन एवं विकास विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा अपने पत्र क्रमांक एफ 10 - 32 / 2002 /18- 2 दिनांक 1 मई 2003 के माध्यम से संभागीय आयुक्त उज्जैन मध्य प्रदेश को राज्य शासन की शक्तियां प्रत्यायोजित की गई थी तथा इसके पश्चात पत्र क्रमांक 10- 32 /2002 /18- 2 दिनांक 9 मई 2003 से शासन द्वारा पत्र में आयुक्त महोदय को एक माह में प्रकरणों में निर्णय लेने को कहा गया था जिसके पश्चात आयुक्त द्वारा सभी 92 आवंटित भूखंडों के आवंटन को रद्दद कर दिया गया था जिस पर कार्यवाही करते हुवे मंदसौर नगर पालिका द्वारा सूचना पत्र क्रमांक 76 से लगाकर 164 तक दिनांक 3 जनवरी 2020 द्वारा संबंधित व्यक्तियों को निरस्ती बाबत व जमा राशि वापसी हेतु सूचित किया गया था उसी के बाद समस्त आवंटन के निरस्ती की संपूर्ण प्रक्रिया पूर्ण हो पाई थी और सभी प्लाट निरस्त होने की कार्यवाही में लगभग 21वर्ष लग गए थे। अंत में विजय गुर्जर ने बताया कि मंदसौर नगर पालिका द्वारा अब इन 89 प्लाटों की नीलामी करके इनका आवंटन किया जा रहा है यह कार्य करने से मंदसौर नगर पालिका को लाखों रुपए के राजस्व की प्राप्ति होगी जिससे नगर पालिका की आर्थिक स्थिति में भी सुधार होगा और यह रुपया मंदसौर के विकास कार्यों में कर्म आ सकेगा इसके लिए विजय गुर्जर ने मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार ओर मुख्यमंत्री मोहन यादव कोअपनी ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया है।

कारगिल विजय दिवस पर देश भक्ति के गीत एवं पौधारोपण किया

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद जिला मंदसौर द्वारा आयोजित कार्यक्रम कारगिल विजय दिवस मंदसौर किटियानी स्थित नगर पालिका मंदसौर द्वारा स्वीकृत नया कारगिल विजय पार्क में प्रथम बार आयोजित किया गया सर्वप्रथम कारगिल युद्ध में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर बहादुर बलिदानियों को मुख्य अतिथि एवं कार्यक्रम में पधारे सभी विशेष अतिथि गणमान्य नागरिक सैनिक पूर्व सैनिकों ने श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम में पधारे अतिथियों द्वारा भारत माता एवं सुभाष चंद्र बोस की तस्वीर पर दीप प्रज्वलित, माल्यार्पण किया गया तत्पश्चात संगठन के मार्गदर्शन श्रवण कुमार त्रिपाठी द्वारा कारगिल विजय दिवस कार्यक्रम की विषय वस्तु प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर रहे। विशेष अतिथि विधायक विपिन जैन, पूर्व मंत्री कैलाश चावला, पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश प्रवक्ता यशपाल सिंह सिसोदिया, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दिक्षित, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमा देवी बंशीलाल गुर्जर, पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद, नगर पालिका उपाध्यक्ष नम्रता प्रीतेश चावला, सैनिक कल्याण बोर्ड अधिकारी संजय दिक्षित, भाजपा उत्तर मंडल अध्यक्ष अरविंद सारस्वत, जिला मंत्री प्रीति रोखले, विनय दुबेला रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर ने कार्यक्रम और सेना की सराहना करते हुए कहा कि मैं और समस्त जनप्रतिनिधि पूरी नगरपालिका सैनिकों के साथ है और ये जो कारगिल विजय पार्क नगर पालिका द्वारा वार्ड क्रमांक 1 में विकसित करके कारगिल विजय पार्क का नाम देकर स्वीकृत किया इस पार्क को ऐसा विकसित कर देंगे कि लोग यहां आकर देशभक्ति की अनुभूति करेंगे साथ ही कहा कि विपिन जैन विधायक भी इस कार्य में पूरा सहयोग करेंगे विधायक विपिन जैन ने कहा कि कहा कि कारगिल विजय पार्क में सहयोग और में सैनिकों के साथ हु सैनिकों कि किसी भी प्रकार की समस्या हो तो में 24 घंटे तैयार हु सैनिक हमारे देश का गौरव है आज के ऐसे कार्यक्रम से युवाओं में देशभक्ति की प्रेरणा मिलती मैं कारगिल में शहीद हुए देश के वीर शहीद जवानों को श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं।

पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया ने कहा कि मैने विधायक कार्यकाल में पूर्व सैनिकों कि हमेशा मदद करी है और आगे भी सैनिकों की कार्य के लिए में हमेशा तत्पर हु सैनिकों का कार्य करके अपने आप को गौरान्वित महसूस करता हूं सैनिक भूतपूर्व नहीं अभूतपूर्व होते हैं। पूर्व मंत्री कैलाश चावला ने कहा कि यह कार्यक्रम मेरे वार्ड में हो रहा है इसका मुझे गर्व है ऐसे कार्यक्रम समाज के बीच होता रहना चाहिए सैनिक इस देश की धरोहर है। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे देश की सेना विश्व में सर्वोपरि सेना है हम हर युद्ध जीते हैं इजराइल और इराक के युद्ध को देखकर कहा कि हर घर से एक व्यक्ति सेना में होने चाहिए उसका प्रभाव समाज और परिवार को प्रभावित करेगा। भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश दीक्षित ने कारगिल में बलिदान हुए देश के वीर बलिदानियों को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कारगिल विजय दिवस की बधाई शुभकामनाएं दी एवं कहा कि आज की सरकार सेनाओं को खुली छूट देती है उसी का सुखद परिणाम है कि ऑपरेशन सिंदूर में 4 दिन में पाकिस्तान ने घुटने टेक दिए। पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद ने कहा कि युवा पीढ़ी इस देश का भविष्य है युवा पीढ़ी कहीं पर भी जाए किसी भी विभाग में काम करें किसी भी क्षेत्र में काम करें एक सैनिक के रूप में काम करेगा तो समाज में भी सुधार होगा। उपाध्यक्ष नम्रता प्रीतेश चावला द्वारा कार्यक्रम की सराहना करते हुवे कहा कि हमें गर्व है सेना पर और तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई पर ककि उनके कार्यकाल में परमाणु परीक्षण करके पूरे विश्व को हिला दिया था एवं उनके द्वारा कहा गया कि हम कारगिल विजय पार्क और अन्य सैनिकों के कार्य में सहायता करेंगे कार्यक्रम का संचालन पूर्व सैनिक संगठन जिला अध्यक्ष मुकेश गुर्जर पालड़ी ने किया आभार संगठन के सीतामऊतहसील प्रभारी महेंद्र जोशी ने माना। कार्यक्रम में कारगिल विजेता दशरथ सिंह चौहान कैप्टन सुरेश परमार चंद्रभान सिंह चुंडावत एवं अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद संगठन के सभी मार्गदर्शन वरिष्ठजनों का स्वागत मुख्य अतिथि एवं अतिथियों द्वारा किया गया। अंत में राष्ट्रगीत के बाद सभी अतिथियों एवं पूर्व सैनिकों द्वारा वृक्षारोपण का कार्यक्रम भी किया गया। सभी ने कार्यक्रम की बहुत ही सराहना की। कार्यक्रम में करीब 100 सैनिक पूर्व सैनिक एवं एनसीसी अधिकारी विजय पुरावत एवं एनसीसी 80 के करीब छात्र-छात्राएं एवं वार्ड एवं शहर के गणमान्य नागरिक ने सहभागिता की।

शिवना शुद्धिकरण एक मुहिम नहीं, बल्कि यह एक जन आंदोलन है-विधायक जैन

शिवना तट पर श्रमदानियों ने 1 ट्रॉली गाजर घास, जल कुंभी व झाड़ियां निकाली

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कल - कल बहने वाली आस्था व संस्कृति की प्रतीक शिवना नदी रविवार को उफ्रान पर थी प्रात: लोकप्रिय विधायक श्री विपिन जैन व श्रमदानी शिवना तट पर पहुंचे जहां पर सभी ने उफान पर आई मां शिवना नदी को पुष्प अर्पित कर सभी ने श्रमदान किया। इस दौरान सभी श्रमदानियों ने कोर्ट रोड की तरफ रोड के किनारे गाजर घास, नदी के किनारे से जलकुंभी, प्लास्टिक की थैलियो को हटा कर श्रमदान किया। सभी श्रमदानियों ने लगातार गिर रही वर्षा में भी एक ट्राली जलकुंभी, गाजर घास, झाडियां व प्लास्टिक की थैलियां निकाल।

इस अवसर पर लोकप्रिय विधायक श्री विपिन जैन ने कहा कि पिछले दो दिन से लगातार गिर रही वर्षा से उफान पर आई शिवना नदी को देखकर मन बहुत प्रसन्न हुआ है और वर्षा काल में भी श्रमदानीयो के शिवना तट पर पहुंचने के जज्बे को देख कर लगने लगा है कि हम सभी लोगों के सहयोग से आने वाले समय में शिवना नदी को पूर्ण रूप से प्रदूषण मुक्त करने में सफल होंगे। श्री जैन ने कहा कि जब तक किसी संकल्प को पूर्ण करने में आम आदमी का सहयोग नहीं मिलता तब तक वह संकल्प पूरा नहीं होता है मुझे खुशी है कि 1 मई से शुरू हुए शिवना नदी प्रदूषण मुक्त करने के मेरे संकल्प में आम जनता का पूरा पूरा सहयोग मिला। रविवार को शिवना शुद्धिकरण अभियान के 55 वे दिन श्रमदान करने वालों में सर्वश्री विधायक विपिन जैन, समाज सेवियों में सर्वश्री भंवरलाल प्रजापत, रमेश सोनी, विजय आनंद, राकेश जैन पिंटू, रामचंद्र मालवीय पूर्व टीआई, अमलावद गांव से कैलाश कुमावत, इन्द्रेश कुमावत भगत, महीपालसिंह पंवार, महिला नेत्रीयों में इष्टा भाचावत, अनीता भदोरिया, वर्षा धोसरिया, मीना चौहान, प्रमिला पंवार कांग्रेसजन मे सर्वश्री डॉ राघवेंद्र सिंह तोमर, विकास दशोरा, राजनारायण लाड, राजेश फरक्या, रमेश सिंगार, विश्वास दुबे, संजय नाहर, विजय सिंह सिसोदिया, मनोहर नाहटा, रमेश ब्रिजवानी, अजय सोनी, अशोक राव, महेश गुप्ता, सादिक गोरी, सोहनलाल धाकड, शिवशंकर सोलंकी, गणपत कुमावत, मनोहर रत्नावत, राजेश खींची, भेरूलाल कुमावत, नितनेश बसेर, श्याम साल्वी, राजेश चौधरी, राकेश सेन, शैलेश माली, ऋषिराज लाड, प्रियांशु जेन, गोपाल बंजारा, राजाभाई, आदि श्रमदान में उपस्थित थे।

गरोठ ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने किया दो दर्जन से अधिक विद्यालयों का निरीक्षण, दिये आवश्यक निर्देश

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारी मंदसौर के निर्देशानुसार शनिवार को गरोठ के ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सौरभ जैन ने बीआरसी नेपालसिंह तोमर, इंजीनियर एवं अन्य अधिकारियों के साथ गरोठ ब्लॉक के शासकीय विद्यालयों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सौरभ जैन ने बताया कि कलेक्टर मेडम एवं जिला शिक्षा अधिकारी मेडम के निर्देशानुसार गरोठ ब्लॉक के 25 से अधिक शासकीय स्कूलों का निरीक्षण किया गया है, स्थिति बेहतर हैं, जहां कुछ परिवर्तन लगा उसको करने के निर्देश शाला प्रभारी को दिये गये है। इस प्रकार का निरीक्षण आगे भी लगातार जारी रहेगा।

राजीव गांधी का नाम हटाना प्राचार्य की संकीर्ण मानसिकता को उजागर करता है-तोमर

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शहर कांग्रेस कमेटी मन्दसौर अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर ने बताया कि राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मन्दसौर के

क्रीडा परिसर का नाम वर्ष 1994-95 में तत्कालीन जिला योजना समिति के प्रस्ताव के अनुसार राज्य सरकार द्वारा राजीव गांधी क्रीडा परिसर किया गया था। तब से लगातार इसे इसी नाम से जाना पहचाना जाता रहा है एवं शासकीय गैर शासकीय आयोजनों, 26 जनवरी, 15 अगस्त आदि आयोजनों के आमंत्रण पत्र पर भी राजीव गांधी क्रीडा परिसर ही लिखा जाता रहा है लेकिन कॉलेज प्राचार्य श्री जे एस दुबे द्वारा अपनी संकीर्ण मानसिकता का परिचय देते हुए राजीव गांधी क्रीडा परिसर के मुख्य द्वारा पर लगे बोर्ड से भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी जी का नाम हटा दिया गया है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर ने बताया कि इस मामले में जैसे ही सूचना मिली तो तत्काल एक पत्र 01 जुलाई 2025 को मेरे द्वारा कलेक्टर मंदसौर को लिखा गया था एवं कार्यवाही की मांग की गई। लेकिन 27 जुलाई तक पुन: क्रीडा परिसर पर राजीव गांधी जी का नाम अंकित नहीं होने पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर ने एक पत्र मुख्य सचिव मध्यप्रदेश शासन एवं कलेक्टर को फिर से लिखा है एवं जल्द कार्यवाही की मांग की है तथा नियमों के विपरीत कार्य करने पर प्राचार्य पर भी कार्यवाही की मांग की गई है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ तोमर ने बताया कि कॉलेज प्राचार्य दुबे जब से आए है तब से ही एक पार्टी विशेष के एजेंट की तरह कार्य कर रहे है एवं शिक्षा के पवित्र मंदिर पीजी कॉलेज को राजनीति का अखाड़ा बना रहे है। साथ ही क्षेत्रीय विधायक श्री विपिन जैन को किसी भी आयोजन में नहीं बुलाकर प्रोटोकॉल का भी उल्लंघन कर रहे है। उनका यह कृत्य गंभीर होकर मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण के नियमों के विपरीत है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ तोमर ने प्राचार्य दुबे को चेताया कि किसी एक पार्टी के एजेंट बनकर नहीं बल्कि शासकीय सेवक की तरह कार्य करें अन्यथा इसके परिणाम उन्हें भुगतने होंगे। कांग्रेस कार्यकर्ता उनके इन कृत्यों के खिलाफ आंदोलनात्मक कार्यवाही करने पर मजबूर होंगे।

सैनिकों का सम्मान व गौ सेवा की

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच मंदसौर द्वारा सैनिक सम्मान एवं गौमाता को गौ ग्रास करवाकर एक भावपूर्ण एवं गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस आयोजन के माध्यम से राष्ट्रीय गौरव के साथ-साथ पशु-संरक्षण और लोक परंपरा का समन्वय देखने को मिला।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सैनिक श्रवण कुमार त्रिपाठी, लोकेंद्र सिंह चंद्रावत, मुकेश गुर्जर, उषा कुमावत, प्रहलाद राठौड़, दिनेश पाटीदार, रघुनाथसिंह डांगी, एनसीसी अधिकारी विजय पुरावत आदि मौजूद रहे। इन सभी महान सैनिकों और एनसीसी सदस्यों का मंच द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में वरिष्ठ पत्रकार ब्रजेश जोशी उपस्थित थे। आपने कारगिल युद्ध में भारतीय सेना के शौर्य का वर्णन किया। कार्यक्रम में स्वदेशी जागरण मंच के विभाग संयोजक पं. दिलीप व्यास, विभाग सह-संयोजक अंकुश पालीवाल, विचार प्रमुख राजेश चौहान, जिला संयोजक दिलीप चौधरी, आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन राजेश चौहान ने किया और आभार पूजा ठाकुर ने माना।

न्यायिक जांच शुरू भी नहीं हुई और विषय विशेषज्ञ की तरह बयान दे रहे अधिकारी

पूर्व विधायक सिसौदिया ने डीआईजी के बयान पर दी प्रतिक्रिया

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। 24 जुलाई को नारकोटिक्स विंग की हिरासत में 400 ग्राम एम डी के आरोपी उज्जैन जिले के बिरला ग्राम नागदा के ग्राम पिपलिया शीश के निवासी महिपाल सिंह पुत्र बाबू सिंह की उम्र 35 वर्ष की अचानक तबीयत बिगड़ने पर मंदसौर के निजी चिकित्सालय अनुयोग अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मृत्यु हो गई।

घटनाक्रम में मजिस्ट्रियल जांच के आदेश हुए हैं, जांच प्रारंभ भी नहीं हुई कि नारकोटिक्स विंग के डीआईजी श्री महेशचंद्र जैन के बयान सोशल मीडिया पर वीडियो के माध्यम से तथा समाचार पत्रों में प्रिंट मीडिया के माध्यम से सारी घटनाक्रम को लेकर पुलिस नारकोटिक्स विंग के पक्ष में या यूं कहे कि पक्ष समर्थन में सार्वजनिक हो रहे हैं। जो कुछ घटा उसका वृतांत श्री जैन बता रहे हैं और अंत में यह भी बोल रहे हैं कि मामले में मजिस्ट्रियल जांच चल रही है।इसलिए कुछ नहीं कह पाऊंगा, एक उच्च अधिकारी को जांच के दौरान किसी भी प्रकार का ऐसा वक्तव्य सार्वजनिक नहीं देना चाहिए, जिससे जांच ही प्रभावित हो जाए।

नारकोटिक्स विभाग के अधिकारी कर्मचारी हो या चिकित्सक हो, सबके अपने बयान जांच की मर्यादाओं के चलते गोपनीयता रखते हुए 1 टू 1 बयान देना चाहिए, जो आवश्यक भी है और नियम भी है। मृत्यु का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के पहले ही नारकोटिक्स पुलिस अधिकारी बया कर रहे हैं, जैसे कि वे चिकित्सा क्षेत्र में पारंगत हो विषय विशेषज्ञ हो और जानकार हो।

जब घटनाक्रम जांच के दायरे में हो, तो फिर यह स्पष्टीकरण कि हम तत्काल आरोपी मरीज को लेकर आए। मंदसौर के सर्वश्रेष्ठ चिकित्सालय में उसको भर्ती कराया, हमारे जवानों ने उसे खून भी दिया, यह सब बयान तो जांच में आ सकते थे, आना चाहिए, लेकिन उन्हें सार्वजनिक क्यों करना चाहिए?

यशपाल सिंह सिसौदिया
पूर्व विधायक मंदसौर

वैभव बने संस्कृति मंत्रालय के कार्यक्रम अधिकारी

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर का नाम देश के प्रतिष्ठित कवि

सम्मेलनों में गौरवान्वित करने वाले प्रसिद्ध कवि और समग्र अंचल के साहित्य साधकों के प्रिय और आत्मीय स्व. श्री सुरेश बैरागी के सुयोग्य सुपुत्र वन्दन वैभव बैरागी ने गत 25 जुलाई को नई दिल्ली में संस्कृति मंत्रालय ज्वाइन किया है। कार्यक्रम अधिकारी के पद पर पदस्थ हुए हैं। वर्तमान में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र हेड ऑफिस जनपथ नई दिल्ली से वे जुड़े है। 2001 में पत्रकारिता पढ़ने के लिए वैभव दिल्ली गए। माखन लाल विश्वविद्यालय नोएडा कैंपस से बैचलर और पीजी डिग्री ली। विभिन्न न्यूज चैनल, पत्रिका समूह से जुड़ कर सक्रियता से अच्छा काम किया। वैभव को 2018 में लोकसभा सचिवालय संसद भवन नई दिल्ली में मीडिया सलाहकार का पद मिला फिर रोजगार और श्रम मंत्रालय में सेवाएं दी। कला संस्कृति के क्षेत्र में भी काम करने के संकल्प के साथ वैभव ने सभी दायित्वों ओर चुनौतियां को कुशलता से स्वीकार कर उनका बखूबी निर्वहन किया और कर रहे हैं।

दाल उद्योग मंडी टैक्स और जीएसटी की दोहरी मार से परेशान, मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

इंदौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सूक्ष्म और लघु उद्योगों (एमएसएमई) श्रेणी में होने के बाद भी दाल उद्योगों को किसी तरह की राहत नहीं मिल रही। इसके उलट दाल उद्योगों पर दोहरे टैक्स का भार आ रहा है। ऑल इंडिया दाल मिल एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को ज्ञापन सौंपा और मांग की कि प्रदेश में मंडी टैक्स से दलहन और अनाज को छूट मिलना चाहिए। दोहरे टैक्स के चलते मप्र से दाल मिलों के पलायन की ओर भी मुख्यमंत्री ने ध्यान दिलाया।

मप्र में दलहन पर मंडी टैक्स– ऑल इंडिया दाल मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल व पदाधिकारी पूर्व सांसद व पूर्व महापौर कृष्णमुरारी मोघे के साथ मुख्यमंत्री से दाल उद्योग की परेशानी पर चर्चा करने भोपाल पहुंचे। दाल मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने मुख्यमंत्री से कहा कि मप्र में दलहन पर मंडी टैक्स लगा रखा है। यह टैक्स सिर्फ प्रदेश की उपज पर ही नहीं लग रहा। कोई कारोबारी किसी दूसरे प्रदेश या देश से दलहन आयात करता है तो उसे भी प्रदेश में अलग से मंडी टैक्स देना होता है।

अनाज दलहन को पूरी तरह मंडी टैक्स से छूट–जबकि जहां से वह दलहन खरीदा है उस प्रदेश या आयात के लिए केंद्र सरकार को भी वह टैक्स देता ही है। ऐसे में मप्र में दलहन पर दो बार टैक्स लग जाता है। जबकि अन्य प्रदेशों में तो दलहन व अनाजों को मंडी टैक्स से बाहर रखा गया है। कुछ प्रदेश जो दलहन पर मंडी टैक्स ले रहे हैं वह भी आयातित दलहन पर दोबारा टैक्स नहीं लेते। छत्तीसगढ़ में अनाज दलहन को पूरी तरह मंडी टैक्स से छूट है। गुजरात और महाराष्ट्र में बाहरी दलहन पर मंडी टैक्स नहीं लिया जाता। ऐसे में मप्र के दाल उद्योग अब धीरे-धीरे जलगांव, अकोला, दाहोद, आणंद जैसे दूसरे प्रदेश के शहर में शिफ्ट हो रही है।

आज होगी जीएसटी पर भी बात–ऑल इंडिया दाल मिल एसोसिएशन की वार्षिक बैठक इंदौर में आयोजित होगी। इस दौरान देशभर के मिलर्स इसमें शामिल होंगे। बैठक में दालों पर लग रहे 5 प्रतिशत जीएसटी का मुद्दा भी उठेगा। एसोसिएशन के अनुसार जीएसटी लागू होने के पहले दालों पर किसी भी तरह का टैक्स या वाणिज्यकर नहीं लगता था। अब 5 प्रतिशत टैक्स लग रहा है। एसोसिएशन के पदाधिकारी अलग-अलग प्रदेशों के जरिए जीएसटी काउंसिल तक मुद्दा उठाने और जीएसटी से दालों को राहत दिलाने की मांग रखेंगे।

गंधर्व समाज के युवाओं का सामाजिक कार्य प्रशंसनीय-विधायक डंग

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। गंधर्व युवा सामाजिक सेवा समिति मध्यप्रदेश युवाओं को रचनात्मक कार्य से जोड़ने एवं सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता करने पर पूर्व पर्यावरण मंत्री एवं सुवासरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक हरदीप सिंह डंग ने युवाओं के टीम का प्रशंसा की है। साथ ही भविष्य में रचनात्मक कार्यो मे आवश्यकता होने पर पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन भी दिया है। गंधर्व युवा सामाजिक सेवा समिति का गठन समाज के शिक्षित वर्ग को एकत्रित कर समाज को शासन की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए युवाओं की टीम प्रयासरत है। जिसके लिए सुवासरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री हरदीपसिंह डंग से प्रतिनिधिमंडल मिला। झमाझम वर्षा के बीच विधायक श्री हरदीपसिंह डंग नाटाराम पहुंचे और युवाओं की टीम से विस्तृत चर्चा की। युवाओं की टीम ने संगीत एवं शिक्षा के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए शीघ्र ही जिला स्तर पर परिचय सम्मेलन एवं समाज के शिक्षित एवं उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित करने का जिम्मा लिया है। जिस पर विधायक ने युवाओं की टीम की प्रशंसा की और साथ ही पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर विधायक श्री डंग ने प्रतिनिधिमंडल के साथ बिलपत्र, जामुन, तुलसी, सीताफल, पीपल, आम का पौधारोपण भी किया। प्रतिनिधिमंडल मे गंधर्व युवा सामाजिक सेवा समिति मध्यप्रदेश की ओर से शोभाराम गंधर्व, अशोक गंधर्व, हरिओम गंधर्व, जितेन्द्र गंधर्व हाडी पिपलिया, राहुल गंधर्व, पुष्कर गंधर्व, पीयूष गंधर्व, चीटूं गंधर्व, दीपक गंधर्व, मुकेश गंधर्व, बालकृष्ण गंधर्व, मनिषा गंधर्व, धारणा गंधर्व, निकिता गंधर्व सहित समाज के युवा साथी उपस्थित थे।

निवेशक का संयम ही उसे दीर्घकालिक लाभ दिला सकता है-सीए सोनी

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। निवेश में अनुशासन व संयम प्रमुख दो तत्व है। जो निवेशक अपने निवेश में अनुशासन बना कर रखता है, वही इस मार्केट में अच्छा पैसा बना पाता है। कई बार पूरी जाँच परख के बाद लिया गया स्टॉक भी मार्केट की लहर में शार्ट टर्म में नुक़सान में दिखाई देने लगता है, ऐसे समय में निवेशक का संयम ही उसे दीर्घकालिक लाभ दिला सकता है। उक्त विचार मन्दसौर सीए ब्रांच द्वारा आयोजित इंवेस्टर अवेयरनेस कार्यशाला को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कोटा से पधारे वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउंटेंट सीए आरूल सोनी ने व्यक्त किए। उन्होंने शेयर बाजार की बारीकियों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए फंडामेंटल एवं टेक्निकल एनालिसिस के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि अच्छे निवेश निर्णयों के लिए दोनों विश्लेषण पद्धतियों को समझना और एक साथ प्रयोग करना आवश्यक है। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की कमिटी ऑन फाइनेंशियल मार्केट एंड इन्वेस्टर प्रोटेक्शन द्वारा निवेशकों में जागरूकता बढ़ाने हेतु देशभर की विभिन्न ब्रांचों में इन्वेस्टर अवेयरनेस सेमिनार आयोजित किए जा रहे हैं।

भगवान जगन्नाथ की महाआरती संपन्न, राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारण की योजना बनी

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। भगवान जगन्नाथ मंदिर उत्सव समिति के तत्वावधान में मंदिर में यह दूसरा कार्यक्रम भगवान जगन्नाथ महाआरती का 26 जुलाई संध्या 5 बजे संपन्न हुआ। बड़ी संख्या में मंदिर में पहुंचकर श्रद्धालुओं ने आरती में भगवान जगन्नाथ बलभद्र सुभद्रा की आरती का लाभ लिया।

कार्यक्रम में भावसार समाज के अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश गंगपरा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष कुसुम गुप्ता, योगेश गुप्ता एवं पूर्व न्यायाधीश गिरिराज दास सक्सेना विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। आरती के अंदर 51 किलो साबूदाने की खिचड़ी एवं 40 किलो केले का प्रसाद मंदिर में श्रद्धालुओं को वितरण किया गया। मंदिर में लगातार श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती जा रही है। बड़ा उत्साह का वातावरण है। कार्यक्रम की तीसरी योजना के तहत भव्य सुंदरकांड बालाजी मंदिर के समक्ष जगन्नाथ मंदिर में आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पधारने की एवं श्रद्धालुओं को बुलाने की योजना बनी है। भगवान जगन्नाथ उत्सव समिति मंदिर के विकास को लेकर निर्माण एवं आयोजन योजना समिति का निर्धारण किया गया जिसमें समाजसेवी अनिल गुप्ता एवं मंदिर प्रबंधक गोपाल पंचारिया, सत्येंद्र सिंह सोम एवं योगेश गुप्ता चार सदस्य मंदिर के निर्माण एवं आयोजन को लेकर लगातार कार्य कर रहे हैं। नगर के समाजसेवियों एवं सहयोगकर्ताओं के साथ ही मंदिर के प्रत्येक कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्तर पहुंचने के लिए पत्रकारों के साथ मिलकर मीटिंग की जा रही है प्रदेश स्तर पर वरिष्ठ पत्रकार राजेश कुलश्रेष्ठ द्वारा पुरी मंदिर फोटोग्राफी के साथ पूरी योजना के बारे में चर्चा करते हुए मध्य प्रदेश के चैनल राष्ट्रीय चैनल पर पहुंचने का कार्य किया है वर्तमान में इस मंदिर के अंदर 2 महीने के 400 फीट का नीचे का फ्लोरिंग का कार्य एवं लोहे का सेट पूरे मंदिर में रंग रोगन का कार्य एवं चैनल गेट का कार्य किया जा चुका है। दिनभर श्रद्धालुओं का आना जाना प्रारंभ हो चुका है इस कार्य को और तेजी देने के लिए योजना समिति द्वारा निर्णय लिया गया है की मंदिर के तीन जगन्नाथ, बलभद्र, सुभद्रा के गुंबद बनाए जाएंगे। हनुमान जी मंदिर का गुंबद का निर्माण विशेष शिल्पी के द्वारा बनवाया जाएगा।

सत्येंद्र सिंह सोम द्वारा बताया गया कि उड़ीसा की जगन्नाथ पुरी के पत्रकार से चर्चा की गई कि यह मंदिर की रथयात्रा किस प्रकार निकाली जाती है उन्होंने बताया विशेष दर्शन के लिए नगर में प्रतिमाओं को ले जाया जाता है और इसके लिए नगर की जनता से तीन गुंबद वाला रथ भगवान जगन्नाथ बलभद्र सुभद्रा का प्रत्येक व्यक्ति के सहयोग से इसका निर्माण किया जाएगा। विशेष सिंहासन बनाया जाएगा जिस पर बहुत ज्यादा उंचा न बनाते हुए प्रत्येक व्यक्ति दूर से दर्शन कर सके इस प्रकार का रथ निर्माण की योजना बन रही है शिवना तट की ओर से आने-जाने का रास्ता भी बनाने का निर्धारण किया गया है मंदिर के विकास एवं आयोजन को लेकर भगवान जगन्नाथ उत्सव समिति के तत्वावधान में यह कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे मूल उद्देश्य मंदिर की प्रसिद्धि एवं इसकी चमत्कारों को लेकर पूरे नगर में उत्साह का वातावरण भगवान जगन्नाथ बलभद्र सुभद्रा जी के चमत्कार से उनके आशीर्वाद से कार्यक्रम में भारी सफलता मिल रही है। 26 जुलाई के कार्यक्रम में विशेष रूप से श्री गिरिराज दास सक्सेना पूर्व न्यायाधीश उच्च न्यायालय वरिष्ठ पत्रकार ब्रजेश जोशी, किशोर कुमार बिजनी मामा द्वारा मूर्तियों विशेष हार बनाए गए विनोद लालवानी, नंदलाल परमार, बालकृष्ण दवे, दिलीप कुमार, प्रसन्न शर्मा, इंजीनियर सुनील व्यास, राजेंद्र परमार, यशोधर्मन शर्मा, विश्वनाथ भावसार, जुगल किशोर भावसार, अभिमन्यु मंडलोई, विनोद कुमार तिवारी, इंजीनियर दिलीप जोशी, चंचल त्रिपाठी, पंडित गौतम, पार्षद सुनीता भावसार, आशुतोष उपाध्याय, रामनारायण गंधर्व, रामचंद्र पुरोहित रमेश चंद्र शुक्ला, जितेंद्र जैन, हेमंत पाटीदार, समाजसेवी अरुण गौड, ज़यंत भावसार, सतीश भावसार के साथ दीनदयाल भावसार एडवोकेट श्रद्धालुओं का क्रम रात तक चलता रहा लगातार कार्यक्रमों के कारण विशेष रूप से मंदिर के चारों तरफ का सीमांकन करने की योजना बनाई जा रही है इसलिए विख्यात मंदिर को और सुरक्षित एवं सरक्षित करने के लिए शासन स्तर पर भी सहयोग लिया जाएगा। यह जानकारी सत्येंद्र सिंह सोम द्वारा दी गई।

डॉ. प्रमोद सेठिया को संगठनों ने दी बधाई

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मप्र राजपत्रित अधिकारी संघ जिला मन्दसौर के अध्यक्ष पर डॉ प्रमोद कुमार सेठिया के मनोनीत होने पर सभी अधिकारी कर्मचारी संगठन में हर्ष है। कर्मचारी हितों के लिए जागरूक, प्रयत्नशील, मिलनसार, सक्रिय डॉ सेठिया के साथ सभी संगठन के पदाधिकारियों ने बधाई और शुभकामनाये दी है। सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक लेखा श्री सुरेश चन्द्र पंवार एवं संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष श्री तेजसिंह पंवार ने डॉ सेठिया की नियुक्ति पर बधाई दी और संगठन में सभी के साथ मिलकर चलने और कार्य करने हेतु विश्वास प्रकट किया। विभिन्न संगठन के पदाधिकारी अशोक शर्मा,,सतीश नागर, भगवती शर्मा, रोहित सिंह चौहान, डॉ कमलेश धनौतिया ,रामेश्वर सोलंकी, राकेश पुरोहित, रामलाल लोदवार ,अनिल सांखला, चेतन गनछेड, आरडी जोशी, रामेश्वर डांगी, दिनेश शुक्ला, ने शुभकामनाये प्रकट की।

गो हत्या एवं गोमांस भक्षण करने वालों को इस शिविर से एकत्र रक्त नहीं चढ़ाया जाएगा

धारियाखेड़ी में ऐतिहासिक रक्तदान शिविर सम्पन्न, धर्म, राष्ट्रभक्ति और सेवा का अनूठा संगम

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर के ग्राम धारियाखेड़ी में शनिवार को एक ऐतिहासिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जो सुप्रसिद्ध सनातन धर्म प्रचारक एवं कथावाचक पंडित भीमाशंकर शास्त्री के जन्मदिवस के पावन अवसर पर सम्पन्न हुआ। यह शिविर न केवल एक मानवीय सेवा का कार्य रहा, बल्कि धर्म, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक चेतना का अनूठा संगम भी सिद्ध हुआ।

पंडित भीमाशंकर शास्त्री का वक्तव्य शिविर का सबसे चर्चित पक्ष रहा, जब उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि गो हत्या एवं गोमांस भक्षण करने वालों को इस शिविर से एकत्र रक्त नहीं चढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा जो व्यक्ति गोमाता का अपमान करता है, वह हमारे रक्त का अधिकारी नहीं हो सकता इस विचार ने गौरक्षा आंदोलन की भावना को और बल प्रदान किया। शिविर में लगभग 100 यूनिट से अधिक रक्त एकत्र किया गया, जिसे स्थानीय चिकित्सकों की देखरेख में संग्रहीत किया गया। आयोजन की सबसे विशेष बात यह रही कि इसे वीर शहीदों के सम्मान को समर्पित किया गया। शास्त्री जी ने कहा, यह रक्त केवल शरीर नहीं, आत्मा का अंश है और यह समर्पित है उन वीर सैनिकों को जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को सफल बनाया। शिविर में सैकड़ों ग्रामीण, युवक, शिक्षक और समाजसेवी उपस्थित रहे। कई युवाओं ने पहली बार रक्तदान किया और इसे धर्म व सेवा का संगम बताते हुए गर्व महसूस किया। ग्रामीणों के अनुसार, यह पहला अवसर था जब किसी धार्मिक आयोजन को रक्तदान जैसे मानवीय कार्य से जोड़ा गया। शिविर के दौरान वातावरण राष्ट्रभक्ति गीतों और भजनों से भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम के अंत में शहीदों को मौन श्रद्धांजलि अर्पित की गई और पंडित शास्त्री जी ने सभी रक्तदाताओं, डॉक्टरों, स्वयंसेवकों एवं आयोजन समिति का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हर धार्मिक आयोजन को सामाजिक सेवा से जोड़ा जाएगा ताकि धर्म केवल कर्मकांड न रहकर जनकल्याण का माध्यम बन सके। यह आयोजन इस बात का प्रमाण है कि जब धर्म, सेवा और राष्ट्रप्रेम एक साथ चलते हैं, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन की नींव रखी जा सकती है।

सांसद गुप्ता ने गौशाला में, राज्यसभा सांसद और जिलाध्यक्ष ने वाल्मीकि परिवार की माता बहनों के साथ सुनी प्रधानमंत्री के मन की बात

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के नेतृत्व में मध्य प्रदेश के सभी पोलिंग बूथों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की मन की बात कार्यक्रम का 124 वें एपिसोड बूथ पर रहने वाले वरिष्ठजनों एवं बूथ कार्यकर्ताओं की गरिमामय उपस्थिति में सुना गया। भारतीय जनता पार्टी जिला मंदसौर में भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश दीक्षित के नेतृत्व में जिले के अधिकांश बूथों पर जिला भाजपा द्वारा तय किए गए भाजपा के राष्ट्रीय, प्रादेशिक और जिला स्तर के जन प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रत्येक बूथ पर मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम को सुना गया। भाजपा सांसद सुधीर गुप्ता ने मंदसौर विधानसभा के ग्राम बेहपुर के बूथ क्रमांक 221 पर पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष नानालाल अटोलिया, मंडल अध्यक्ष विकास सुराणा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि पार्टी पदाधिकारी गण कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की मां की बात कार्यक्रम के 124वें एपिसोड का श्रवण किया।

इसी प्रकार राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर एवं भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश दीक्षित ने वाल्मीकि समाज की माता बहनों के साथ उत्तर मंडल अध्यक्ष अरविंद सारस्वत, जिला कोषाध्यक्ष राजू चावला, नगर पालिका अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर सहित अन्य जनप्रतिनिधि पार्टी पदाधिकारी की उपस्थिति में बूथ क्रमांक 48 पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की मन की बात कार्यक्रम के 124 वें एपिसोड का श्रवण किया। तत्पश्चात वाल्मीकि परिवार की माता बहनों के साथ वृक्षारोपण किया। विधायक हरदीप सिंह डंग ने यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम के जुलाई माह के प्रसारण को सीतामऊ ग्रामीण मंडल के बूथ क्रमांक 56 खेताखेड़ा में पार्टी पदाधिकारीगण के साथ देखा। इसी प्रकार पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया ने उत्तर मंडल के बूथ क्रमांक 71 पर भाजपा नेता पुलकित पटवा के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम का श्रवण किया। पूर्व विधायक देवीलाल धाकड़ ने यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र जी मोदी के मन की बात कार्यक्रम को ग्राम संधारा में कार्यकर्ताओं व ग्रामीणजनो के साथ सुना। इस उपरांत प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र जी मोदी द्वारा चलाए गए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान अंतर्गत वृक्षारोपण किया। सभी मंडलों के बूथ पर हुए कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी गण, मोर्चा जिला अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष गण, मंडल पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष गण कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी नीलेश जैन ने दी।

मामला प्राथमिक शिक्षक भर्ती में अतिथियों को छूट देने का...

अनुभव प्रमाण पत्र दे रहा अतिथि शिक्षकों को झटका

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सरकार इस साल सरकारी स्कूलों में 13 हजार 89 प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती करने की तैयारी में है। इसमें स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत प्राथमिक शिक्षक के 10 हजार 150 और जनजातीय कार्य विभाग के 02 हजार 939 पदों पर भर्ती होगी। अतिथि शिक्षकों को आयु सीमा में नौ साल की वृद्धि की गई है। साथ ही तीन सत्र का अनुभव प्रमाण पत्र भी मांगा गया है। लेकिन, अप्रैल तक का अनुभव प्रमाणपत्र नहीं बनने से अतिथि शिक्षक अभ्यर्थी प्राथमिक शिक्षक बनने से वंचित रहेंगे। इसका कारण है कि उन्हें इस छूट का लाभ नहीं मिल पाएगा।

बता दे कि मप्र कर्मचारी चयन मंडल (इएसबी) की ओर से आयोजित होने वाली प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा के लिए अगस्त तक आवेदन करना है। आवेदन पत्र में संशोधन 06 अगस्त तक किया जा सकेगा। परीक्षा शुरु होने की संभावित तारीख 31 अगस्त से है। इसमें प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा 2020 और 2024 के पात्र अभ्यर्थी शामिल हो सकते हैं।

अप्रैल तक की मिली सैलरी, लेकिन अनुभव प्रमाणपत्र नहीं मिला...

अतिथि शिक्षक अप्रैल 2025 तक शासकीय विद्यालयों में सेवाएं दे चुके हैं। लेकिन, उन्हें वर्तमान सत्र 2025-26 के अप्रैल माह तक का अनुभव प्रमाण-पत्र अब तक जारी नहीं किया गया है। जबकि, उन्हें अप्रैल तक की सैलरी भी मिल गई है। चयन परीक्षा में शामिल होने के लिए आवेदन के समय अनुभव प्रमाणपत्र अपलोड करना अनिवार्य हैं। वर्तमान में केवल पिछले सत्र 2024-25 के मार्च माह तक के अनुभव प्रमाण-पत्र बनाए गए हैं। इस कारण अतिथि शिक्षक परेशान हैं। उन्हें कम से कम तीन सत्र में 200 दिन का अनुभव होना चाहिए।

इनका कहना–अप्रैल 2025 तक के अनुभव प्रमाण पत्र के लिए अतिथि शिक्षकों के कई आवेदन मिले हैं। इसके लिए सोमवार को पोर्टल खोला जाएगा और अनुभव प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा।

धर्मेंद्र शर्मा, संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल

मप्र की भाजपा सरकार द्वारा दी गई विकास की सौगातो पर अपने राजनीतिक हित ना साधे कांग्रेस-दीक्षित

मप्र में डॉ.यादव की सरकार द्वारा 70 करोड़ से अधिक के विकास कार्यो की स्वीकृति पर जिलेवासियों को बधाई

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश दीक्षित ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव उपमुख्यमंत्री जगदीश जी देवडा ने सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा पाटीदार, विधायक गण हरदीप सिंह डंग, चंदरसिंह सिसोदिया, पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर की मांग पर सिंहस्थ 2028 के लिए मंदसौर क्षेत्र में 72 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्य स्वीकृत किए गए है।

सर्व विदित है कि कई दशकों से मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार प्रदेश में 12 वर्ष में उज्जैन में लगने वाले आस्था के महाकुंभ सिंहस्थ को लेकर प्रदेश के विभिन्न जिलों के साथ मंदसौर जिले एवं नगर में भी विकास कार्यो के लिए करोड़ों रुपये की राशि का प्रावधान करती आई है। इसी क्रम में 2028 में उज्जैन में लगने वाले सिंहस्थ को लेकर मंदसौर जिले के समस्त जनप्रतिनिधियो के सकारात्मक प्रयासों से आज मंदसौर को 72 करोड रुपए से अधिक राशि के विकास कार्य की स्वीकृति मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार द्वारा की गई है। इस उपलब्धि पर मंदसौर के कांग्रेस विधायक झूठा श्रेय लेकर अपनी झूठी वहांवही करवा रहे हैं जो सरासर गलत और जनता को गुमराह करने वाली है। कांग्रेस विधायक द्वारा मीडिया में झूठा श्रेय लेने संबंधित दिया गया बयान हींग लगे ना फिटकरी रंग चोखा आए की तर्ज पर माना जा सकता है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री द्वारा जिले के समस्त भाजपा परिवार के जनप्रतिनिधियों की मांग एवं भाजपा नेतृत्व वाली नगर पालिका परिषद मंदसौर की मांग पर शिवना नदी के घाट निर्माण, सौंदर्यकरण, रिटर्निंग वॉल और लाइटिंग के लिए 12 करोड़ रुपये की राशि, अंबेडकर चौराहे से पशुपतिनाथ मंदिर तक सड़क चौड़ीकरण के लिए लगभग 7 करोड़, भगवान पशुपतिनाथ मंदिर से नालछा माता मंदिर एवं महू नीमच हाईवे तक फोरलेन निर्माण के लिए 30 करोड़ की अधिक, कास्तकार होटल के पास पुलिया निर्माण हेतु 22 करोड़ रुपये से अधिक की स्वीकृति मिली है। मध्य प्रदेश सरकार के शीघ्र आने वाले अनुपूरक बजट में भी मंदसौर जिले में करोड़ों रुपए की अनेक सौगाते मिलने की संभावना है। भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश दीक्षित ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा सहित सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा पाटीदार, विधायक गण हरदीप सिंह डंग, चंदरसिंह सिसोदिया, पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया और मंदसौर नपा अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर आदि की विकास हेतु सकारात्मक प्रयास की सफलता पर साधुवाद देते हुए कहा कि यह करोड़ों रुपए की सौगात मंदसौर के विकास और सनातन धार्मिक पहचान को देश के साथ विश्व पटल ख्याति दिलवाएगी।

पीएम नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 124 वीं प्रसारण को दलौदा मंडल में सुना

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी दलौदा मंडल अध्यक्ष विकास सुराणा के नेतृत्व में दलौदा मंडल के ग्राम बेहपुर में संत रोटीराम गौशाला में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र जी मोदी के मन-की-बात कार्यक्रम के 124 वे संस्करण को सांसद श्री सुधीर गुप्ता जी, पूर्व जिला अध्यक्ष श्री नानालाल अटोलिया जी के साथ बूथ क्रमांक 221 पर देखा और सुना।

इस दौरान पीएम मोदी कार्यक्रम में शुभांशु शुभांशु शुक्ला से की। कहा कि शुभांशु जैसे ही अंतरिक्ष से धरती पर कदम रखा, पूरे देश में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। पूरा देश गर्व से भर उठा। कहा अगस्त 2023 में चंद्रयान 3 की सफल लैंडिंग के बाद साइंस और स्पेस को लेकर देश में नया माहौल बना। इसे लेकर बच्चों में जिज्ञासा जागी है। अब छोटे-छोटे बच्चे भी कहते हैं कि हम भी स्पेस में जाएंगे। प्रसारण के बाद सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि पीएम का यह एक ऐसा मंच है, जहां वे राजनीति से इतर विविध विषयों पर चर्चा करते हैं। देशवासी मन की बात कार्यक्रम का उत्सुकता से इंतजार करते हैं। मंडल अध्यक्ष विकास सुराणा ने कहा कि हमेशा ही हर भारतीय के मन में होता है कि इस बार पीएम किन मुद्दों को उठाएंगे। रावत ने कहा कि पीएम को इस कार्यक्रम के लिए देशभर के लोग अमूल्य सुझाव देते हैं, जिन्हें सहजता से शामिल भी किया जाता है। इस अवसर पर कोमलचंद जैन, जगदीश शर्मा, गोविंद सिंह, राकेश जैन, भोलाराम पाटीदार, सरपंच भानु प्रताप सिंह, मदन पाटीदार, गौशाला अध्यक्ष शंकर लाल राठौर, हेमंत धनोतिया, सुमित सेन, मांगीलाल राठी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ जन, पार्टी पदाधिकारी, देवतुल्य कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

मप्र सिलाई कला बोर्ड का पुनर्गठन किया जाए

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय दामोदर वंशीय नया गुजराती दर्जी समाज के अध्यक्ष श्री कैलाश चौहान ने मप्र के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव को पत्र लिखकर मांग की है कि मप्र में पूर्व संचालित सिलाई कला बोर्ड का पुनर्गठन किया जाय। दर्जी समाज का मुख्य परंपरागत व्यवसाय सिलाई पर निर्भर रहता है इसलिए सिलाई कला बोर्ड पुनर्गठन किया जाना अनिवार्य है। पूर्व में मप्र बोर्ड का गठन किया गया था। सिलाई कला को संरक्षण व प्रोत्साहन सहित दर्जी समाज मे शिक्षा आर्थिक राजनैतिक प्रशासनिक भागीदारी में आगे कदम बड़ाने के लिए मध्यप्रदेश में सिलाई कला बोर्ड की हर दृष्टि से समाज को विकास के पथ पर अग्रसर करने का अवसर प्रदान कर सके।

पहली तिमाही में उद्यम क्रांति योजना की गति धीमी

उज्जैन संभाग में 24 प्रतिशत ऋण प्रकरणों में ही राशि का हो पाया वितरण

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। युवाओं को उद्यमी बनाने के लिए शुरू की गई मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना पहली तिमाही बीतने के बाद में गति नहीं पकड़ पाई। उज्जैन संभाग में अभी तक कुल लक्ष्य का औसत 23.95 फीसदी ऋण ही युवाओं को मिल पाया है। उद्योग लगाने के लिए युवा बैंकों में परियोजनाएं लेकर पहुंचते हैं, तो उनका निराकरण आसानी से नहीं होता है। इससे वे इकाइयों की स्थापना नहीं कर पाते।

मंदसौर जिले में 192 लोगो को ऋण वितरण का लक्ष्य रखा गया है। जिसमें महज 64 को ही ऋण मिल पाया है। संभाग की बात करें तो उज्जैन संभाग के जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्रों को मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना में 1,152 प्रकरणों का लक्ष्य मिला है। इसमें से अभी तक 271 प्रकरणों में राशि का वितरण किया गया है। पहली तिमाही में रफ्तार धीमी होने का मुख्य कारण लक्ष्य देरी से मिलना व बैंकों की ओर से प्रकरणों का निराकरण में देरी बताया जा रहा है। हितग्राहियों का कहना है कि जिले को लक्ष्य मिलते ही ऑनलाइन आवेदन कर दिए थे। डीआईसी ने प्रकरण स्वीकृत कर बैंकों को भेज दिए। इनमें ज्यादातर प्रकरण, रेडिमेड गारमेंट, इलेक्ट्रॉनिक्स, खाद्य एवं प्रसंस्करण, मोबाइल रिपेयरिंग व ट्रेडिंग, ब्यूटी पार्लर, किराना दुकान आदि इकाइयों के हैं।

इनका कहना–पहली तिमाही में परेशानी आती है। इसके चलते उद्यम क्रांति योजना के प्रकरणों की गति धीमी है। कार्य सुगमता से चलेगा। हम दिसंबर माह तक संभाग के जिलों को मिला लक्ष्य पूरा करने के लिए कटिबद्ध हैं।

अमरसिंह मोरे, संयुक्त संचालक उद्योग, उज्जैन

भाटखेड़ी से कंजार्डा चारभुजा नाथ तक निकली पैदल यात्रा, ग्रामीणजन हुए शामिल

मनासा, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी ग्राम भाटखेड़ी से कंजार्डा श्री चारभुजा नाथ मंदिर तक 9 वी पैदल यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में नगर के युवा महिलाएं बच्चे शामिल हुए। भाटखेड़ी के श्री चारभुजा नाथ मंदिर से प्रारंभ हुई पैदल यात्रा नगर भ्रमणकर पड़दा रोड स्थित बालाजी मंदिर पहुंची जहां पर हनुमान जी की पूजा आराधना कर पैदल यात्रा रवाना हुई रिमझिम बारिश और डीजे ढोल की धुन पर नाचे झूमते महिलाओं बालिकाओं और युवाओं ने भक्ति के माहौल का आनंद लिया।जगह जगह समाजसेवी लोगो द्वारा फूलों से स्वागत सम्मान के भगवान में विराजे बेवान की पूजा अर्चना की गई ।वही फलाहार ,चाय ,बिस्किट नाश्ता की व्यवस्था की गई।ग्राम भाटखेड़ी से कंजार्डा तक करीब 22 किलोमीटर का सफर तय कर दर्शन कर महाआरती और प्रसाद वितरण के साथ पैदल यात्रा का समापन हुआ। इस यात्रा में करीब 2000 से भी अधिक धर्म प्रेमी लोगों ने भाग लिया श्री चारभुजा पैदल यात्रा संघ द्वारा प्रतिवर्ष आगे भी यह पैदल यात्रा जारी रहेगी।सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर मनासा पुलिस के जवान पूरी यात्रा के दौरान मौजूद रहे।

मासिक आचार्य अभ्यास वर्ग में तनाव प्रबंधन कार्यशाला सम्पन्न

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सरस्वती विहार शैक्षिक संस्थान अंतर्गत संचालित सरस्वती विद्या मंदिर सीबीएसई संजीत मार्ग, मंदसौर में मासिक आचार्य अभ्यास वर्ग का आयोजन किया गया जिसमें तनाव प्रबंधन पर कार्यशाला आयोजित की गई।

इस अभ्यास वर्ग के प्रथम सत्र में भारतीय आदर्श शिक्षण समिति के सह-सचिव एवं सरस्वती विहार शैक्षिक संस्थान के प्रबंधक श्री सुनील शर्मा ने पाठ्येतर दायित्व विषय पर उद्बोधन देते हुए कहा कि हमें ऐसी टीम तैयार करनी है जो कार्यों कों सुचारू रूप से संपन्न करे। हमें अपने भैया-बहनों को अधिक से अधिक दायित्व सौंपते हुए उनके सच्चे सहयोगी की भूमिका निभानी चाहिए। द्वितीय सत्र में सीबीएसई की रिसोर्स पर्सन श्रीमती निधि जैन (इंदौर) द्वारा तनाव प्रबंधन विषय पर 6 घंटे की प्रभावी प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। इस प्रशिक्षण में तनाव को कैसे संभालें, मस्तिष्क की विभिन्न परिस्थितियाँ व तनाव के स्रोत जैसे महत्वपूर्ण विषयों को कई इंटरैक्टिव गतिविधियों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। यह सत्र शिक्षकों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं सराहनीय रहा। इस अवसर पर संस्थान की वरिष्ठ प्राचार्या डॉ. सरोज प्रसाद, माध्यमिक विभाग के प्रधानाचार्य

श्री प्रवीण मिश्रा, विद्यालय की उपप्राचार्या सुश्री लक्ष्मी राठौड़, शिशु वाटिका की प्रधानाचार्या श्रीमती हेतल भावसार, प्राथमिक विभाग प्रमुख श्रीमती अजीत आर्थर तथा सीबीएसई विद्यालय के ऊर्जावान आचार्यों की टीम उपस्थित रही। संपूर्ण आयोजन सहयोग, समर्पण एवं नवाचार की भावना से ओतप्रोत रहा और शिक्षकों के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ।

भाजपा सरकार के विकास को अपने प्रयास बताकर झूठ फैला रहे विधायक विपिन जैन

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व वाली सरकार विकास को लेकर सक्रिय है। भाजपा के जनप्रतिनिधियों के

सजग प्रयास और भाजपा की विकासवादी मानसिकता से पूरे जिले में सिंहस्थ मद से विकास कार्य स्वीकृत हुए हैं। घर बैठे मुंह में आए लड्डू को अपना बताकर कांग्रेस विधायक विपिन जैन ने अपनी छोटी सोच उजागर की है। वे केवल भाजपा के विकास का लाभ उठा रहे हैं! यह बात भाजपा उत्तर मंडल अध्यक्ष श्री अरविंद सारस्वत और दक्षिण मंडल के अध्यक्ष श्री विनोद डगवार ने कही।

श्री सारस्वत एवं श्री डगवार ने बताया कि सिंहस्थ 2028 के तहत मंदसौर जिले को विकास की महती सौगातें मिली है। इनमें जिले भर में विकास कार्य शामिल हैं। 13 करोड़ रूपये की लागत से शिवना नदी तट का सौन्दर्यकरण, 7 करोड़ रूपये की लागत से भगवान पशुपतिनाथ मंदिर से महू नीमच रोड में 4 लेन सड़क, मंदसौर नगर में फायर स्टेशन, जिले के गरोठ में स्थित मां दूधाखेडी माताजी मंदिर पर यात्री प्रतिक्षालय और भक्त निवास निर्माण 3 करोड़ रूपये की लागत से, धर्मराजेश्वर चंदवासा से 8 लेन कनेक्टिविटी, सिंहस्थ पथ के अंतर्गत 31 करोड रूपये की लागत से भगवान पशुपतिनाथ मंदिर से लेकर नालछा माता मंदिर होकर हाई वे को जोड़ते हुए 4 लेन निर्माण, शिवना नदी पर नवीन ब्रीज का निर्माण लागत 23 करोड रुपए, मंदसौर में बस टर्मिनस के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। यह सभी कार्य भारतीय जनता पार्टी के जनप्रतिनिधियों की सक्रियता और आगामी सिंहस्थ की तैयारियों के तहत हुए है। इसे अपने प्रयास बताना बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना होना है, जो एक जनप्रतिनिधि होते हुए विपिन जैन को शोभा नहीं दे है। श्री सारस्वत एवं श्री डगवार ने इन स्वीकृतियों पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, सांसद श्री सुधीर गुप्ता, श्री बंशीलाल गुर्जर, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री राजेश दीक्षित, विधायक श्री हरदीप सिंह डंग, श्री चंदर सिंह सिसौदिया, पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसौदिया, नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर के प्रति आभार प्रकट किया है।

डोडाचूरा तस्करी मामले में...

पेज 1 से जारी

सामने आई है कि वे काफी समय से इस तस्करी के कार्य में लिप्त थे। पुलिस अब उनके नेटवर्क की कड़ियाँ जोड़ने में लगी है, ताकि पूरे गिरोह का पर्दाफाश हो सके। सूत्रों के अनुसार, पुलिस रिमाण्ड की अवधि पूरी होने के बाद मंगलवार को दोनों आरोपियों को फिर से न्यायालय में पेश किया जा सकता है। यह देखना होगा कि तब तक पूछताछ में पुलिस और क्या नए तथ्य सामने ला पाती है।

जिले के स्वीकृत विकास कार्य भाजपा सरकार की देन- चंदवानी

मंदसौर, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिले भर में सिंहस्थ मद के अंतर्गत 120 करोड़ रूपये के विकास कार्यो की सौगात मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार ने दी है। इस सौगात के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय श्री मोहन जी यादव के आभारी है। लेकिन अब मंदसौर विधायक विपिन जैन झूठी वाह वाही के लिए मंदसौर नगर पालिका क्षेत्र में स्वीकृत हुई कार्यो को अपनी देन बता रहे है।

उक्त बात कहते हुए शासकीय महाविद्यालय मंदसौर के जनभागिदारी अध्यक्ष नरेश चंदवानी ने बताया कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा के नेतृत्व में मंदसौर जिले के स्थानीय भाजपा के जनप्रतिनिधियों के सजग प्रयास और भाजपा की विकासवादी मानसिकता से पूरे जिले में सिंहस्थ मद से विकास कार्य स्वीकृत हुए हैं। श्री चंदवानी ने बताया कि मंदसौर नगर के लिए स्वीकृत लगभग 75 करोड़ू रूपये की विकास कार्यो के लिए मंदसौर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर के नेतृत्व में मंदसौर नगर पालिका के सभी सभापतिगण, भाजपा के पार्षदगण, अधिकारीगण, इंजीनियर लगभग डेढ साल से इन कार्यो को करवाने में लगे थे, लगातार भोपाल में मंत्रालय स्तर से पत्राचार किया जा रहा था जिसके बाद यह सौगातें मंदसौर को मिली है, अभी भी दो से तीन कार्य और शेष है जिसके लिए भी मंदसौर नपा की पूरी टीम पूरे प्रयास के साथ वरिष्ठों के मार्गदर्शन के साथ लगी है और वे भी कार्य भी जल्द स्वीकृत करवायें जायेंगे।

श्री चंदवानी ने कहा कि मंदसौर जिले में लगभग 120 करोड़ू रूपये की लागत से मंदसौर विधानसभा में 13 करोड़ रुपए की लागत से शिवना नदी तट का सौन्दर्यकरण, 7 करोड़ रुपए की लागत से भगवान पशुपतिनाथ मंदिर से महू नीमच रोड में 4 लेन सड़क, मंदसौर नगर में फायर स्टेशन, बस टर्मिनस, सिंहस्थ पथ के अंतर्गत 31 करोड रुपए की लागत से भगवान पशुपतिनाथ मंदिर से लेकर नालछा माता मंदिर होकर हाई वे को जोड़ते हुए 4 लेन निर्माण, शिवना नदी पर नवीन ब्रीज का निर्माण लागत 23 करोड रुपए, गरोठ में स्थित मां दूधाखेडी माताजी मंदिर पर यात्री प्रतिक्षालय और भक्त निवास निर्माण 3 करोड़ रुपए की लागत से, धर्मराजेश्वर चंदवासा से 8 लेन कनेक्टिविटी के कार्य मोहन सरकार ने स्वीकृत किए है, लेकिन मंदसौर विधायक इन्हें अपना बता रहे है जो कि उनकी मानसिकता को प्रकट करता है, मीडिया मे भ्रामक जानकारी फैलाई जबकि इन सभी सौगातों के मंदसौर के लोकसभा सांसद श्री सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री राजेश दीक्षित, सुवासरा विधायक श्री हरदीप सिंह डंग, गरोठ विधायक श्री चंदर सिंह सिसौदिया, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा पाटीदार, पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसौदिया, नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर की अथक के प्रयास और मेहनत है जिन्हें मंदसौर विधायक अपना बता रहे है। श्री चंदवानी ने बताया कि यह सभी कार्य सिंहस्थ मद के अंतर्गत हुए है, इसमें मंदसौर के कांग्रेस विधायक विपिन जैन का कोई रोल नहीं है उन्होने तो इसकी जानकारी लगते ही 48 घंटे में प्रेस नोट जारी कर वाह वाही लेने का झूठा कार्य जरूर किया है।

महिलाओं को नवांकुर सखी बनाकर किया बीजरोपित पौधो का वितरण

मनासा, 27 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। पर्यावरण सरक्षंण को लेकर मप्र शासन की अभिनव पहल करते हुए सम्पूर्ण प्रदेश में नवांकुर सखी हरियाली यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड मनासा की चयनित नवांकुर संस्था मनासा केशव आदर्श सामाजिक संस्था द्वारा सेक्टर मनासा के प्रस्फुटन ग्राम हांसपुर में 'नवांकुर सखी हरियाली यात्रा' का आयोजन किया गया,, यात्रा की शुरुआत पंचायत भवन हांसपुर से की गई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता मनासा ब्लॉक समन्वयक महेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि नवांकुर सखीयों को बीज से पौधे तथा पौधे से वृक्ष बनाने का पर्यावरण संरक्षण हेतु संकल्प दिलवाया, इसके पश्चात सभी महिलाओ को बीजरोपित पौधे की थैलिया वितरित की गई। कार्यक्रम में विकासखंड समन्वयक ने बताया कि महिलाओं की सहभागिता पर्यावरण संरक्षण में सुनिश्चित करने हेतु हरियाली यात्रा प्रत्येक सेक्टर में आयोजित की जा रही है। नवांकुर सखियो को पर्यावरण सरक्षंण के दायित्व को अपना कर्तव्य समझते हुए सरक्षंण की बात कही। इस अवसर पर पंचायत सरपंच, सहायक सचिव, प्रस्फुटन समिति के सदस्य एवं समस्त नवांकुर सखियां उपस्थित रही।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in